RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

पेज 07

14 साल की उम्र से शुरू हो गया था एली अवराम का बॉलीवुड फिल्मों से जुडाव

VOL: 03 | ISSUE 191 | MONDAY DATE 03-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

तमिलनाडु में नीट अभ्यर्थियों के परिजनों से मिले राहुल, बोले- छात्रों को सरकार से सच, न्याय और माफी चाहिए

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु दौरे के दौरान उन तीन मेडिकल अभ्यर्थियों के परिवारों से मुलाकात की, जिनकी मौत नीट प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा रद्द होने के बाद हुई थी। उन्होंने कहा कि ईमानदार और मेहनती छात्रों को एक बेईमान व्यवस्था की कीमत नहीं चुकानी चाहिए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर अपनी मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने गोपिका, रोशिनी और वेत्री आनंदन के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हर परिवार के मन में एक ही सवाल था कि जब गलती व्यवस्था की थी, तो उसकी सजा मेहनती और ईमानदार छात्रों को क्यों मिली। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र लीक होने के कारण परीक्षा रद्द हुई, फिर छात्रों को दोबारा नीट परीक्षा देनी पड़ी, जिससे युवा अभ्यर्थियों पर असहनीय मानसिक दबाव पड़ा।

एलजी टीएस संधू ने किरोड़ीमल कॉलेज में इनक्यूबेशन सेंटर का किया उद्घाटन

बोले- युवा शक्ति बनाएगी विकसित भारत

» **दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त ।**

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत संधू ने कहा है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए विश्वविद्यालयों को शोध, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में और भी बड़ी भूमिका निभानी होगी। श्री संधू ने रविवार को किरोड़ी मल महाविद्यालय (केएमसी) के इन्क्यूबेशन सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। यह उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल में कॉलेज के ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2026 के दौरान हुआ।

उपराज्यपाल ने साइंस ब्लॉक लिफ्ट का भी उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में किरोड़ी मल महाविद्यालय शासी निकाय की अध्यक्ष प्रो वासुबेन त्रिवेदी, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव विकास गुप्ता, प्राचार्य प्रो दिनेश खट्टर, संकाय सदस्य, अभिभावक और छात्र शामिल हुए।

नवाचार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणियों का हवाला देते हुए श्री संधू ने कहा कि विश्वविद्यालय के परिसर ऐसे केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं, जहां युवा नये विचारों और तकनीकी सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस नए इन्क्यूबेशन सेंटर से छात्रों के बीच अनुसंधान और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

संक्षिप्त ताजा खबरें

यूपी चार दिवसीय विधानमंडल सत्र आज से

लखनऊ, यूटर्न/ 02 अगस्त । यूपी में सोमवार से शुरू हो रहे विधानमंडल के सत्र को लेकर रविवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सभी दलों के साथ सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से चलाने के लिए सहमति बनाने का प्रयास किया गया। बैठक में सत्ता पक्ष की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर सत्ता पक्ष की तरफ से मौजूद रहे। वहीं, विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, लोकदल के नेता राजपाल बालियान, कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा मोना, जनसत्ता दल से कुंवर रघुराज प्रताप सिंह मौजूद रहे। बैठक में सभी विपक्षी दलों से विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को सुचारुरूप ढंग से चलाने की अपील की।

दीपके के परिवार की संपत्ति जांचने की मांग

मुंबई, यूटर्न/ 02 अगस्त । सूरत के आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके के परिवार की आर्थिक स्थिति की जांच की मांग की है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार, चुनाव आयोग और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड को शिकायत भेजी है। तिवारी का दावा है कि अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दीपके महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में जूनियर इंजीनियर थे। उनकी मासिक सैलरी करीब 60-65 हजार रूपए थी। ऐसे में यह जांच होनी चाहिए कि उन्होंने अपने बच्चों की अमेरिका में उच्च शिक्षा का खर्च कैसे उठाया। अमित तिवारी ने महाराष्ट्र सरकार से भगवानराव दीपके की आय और संपत्ति की जांच कराने की मांग की है।

हथियार के साथ ओवर ग्राउंड वर्कर गिरफ्तार

बारामूला, यूटर्न/ 02 अगस्त । जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने एक ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एमपी-5 पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस, मैगजीन, मोबाइल फोन और बैग बरामद हुआ है।

स्वस्थ युवा ही विकसित भारत की पहचान: मोदी

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त ।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से सशक्त और आत्मविश्वास से भरपूर युवा पीढ़ी का होना अनिवार्य है, जो नशे की आदतों से पूरी तरह मुक्त हो। श्री मोदी ने रविवार को यहां 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरूआत के मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 28,000 से अधिक स्थानों से जुड़े एक करोड़ से अधिक युवाओं सहित विविध सभा का औपचारिक रूप से अभिवादन किया।

श्री मोदी ने कहा, 'आज हम सभी देशवासी एक महान और महत्वपूर्ण संकल्प के लिए एकजुट हुए हैं। आज जब राष्ट्र ने विकसित भारत का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो यह आवश्यक है कि देश के युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें, आत्मविश्वास से परिपूर्ण हों और नशीले पदार्थों जैसी विनाशकारी आदतों से हमेशा के लिए दूर रहें। 'प्रधानमंत्री ने इस पहल के महत्व का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं है, बल्कि परिवारों, समाज और पूरे राष्ट्र के व्यापक हितों की भी पूर्ति करता है। प्रधानमंत्री ने अभियान की शुरूआत पर इस बात पर गहरी संतुष्टि व्यक्त की कि यह पहल पिछले वर्ष काशी की पवित्र भूमि से एक प्रायोगिक परियोजना के रूप में शुरू हुई थी।

उन्होंने इस आंदोलन को संचालित करने वाली वैज्ञानिक स्पष्टता, आध्यात्मिक ऊर्जा और गहन सांस्कृतिक समर्पण का उल्लेख करते हुए कहा, 'काशी घोषणा के तहत 125 से अधिक आध्यात्मिक संगठनों और कई गैर सरकारी संगठनों के समर्थन से, कल्याणकारी यह विचार अब सफलतापूर्वक एक राष्ट्रीय परियोजना बन गया है।'

प्रधानमंत्री ने नशा-विरोधी शपथ लेने वाले लाखों युवाओं की सराहना करते हुए उनसे व्यक्तिगत संयम बनाए रखने और स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में नशामुक्त जीवन का संदेश सक्रिय रूप से फैलाने के उनके दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की।

अभियान के महत्वाकांक्षी 100-सप्ताह के रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि कैसे प्रत्येक आगामी रविवार को कला, संस्कृति, खेल और ध्यान से संबंधित विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी ताकि नए प्रतिभागियों को लगातार जोड़ा जा सके। श्री मोदी ने कहा, 'आगामी 100 रविवार पूरी तरह से नशामुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम साबित होंगे।'

रेखा सरकार का ऐतिहासिक फैसला, आपदा प्रबंधन कर्मियों के मानदेय में 100 प्रतिशत तक होगी वृद्धि

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त । दिल्ली सरकार ने राजधानी की आपदा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सक्षम, आधुनिक और पेशेवर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दिल्ली राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीएसडीएमए) के अंतर्गत कार्यरत स्टाफ जैसे प्रोजेक्ट ऑफिसर (पीओ), डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट ऑफिसर (डीपीओ) और प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर (पीसी) के मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इस निर्णय से इन स्टाफ के मानदेय में 100 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। यह निर्णय उन कर्मियों को न्याय दिलाने की दिशा में उठाया गया है, जिन्होंने वर्ष 2009 से लगातार दिल्ली की आपदा प्रबंधन व्यवस्था की रीढ़ बनकर कार्य किया, लेकिन पिछले 16 वर्षों में उनके मानदेय में एक बार भी संशोधन नहीं हुआ। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2009 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोग से शुरू हुए इन पदों पर नियुक्त कर्मियों, जैसे प्रोजेक्ट ऑफिसर, डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट ऑफिसर और प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर का मासिक मानदेय पिछले 16 वर्षों से अपरिवर्तित था। इस अवधि में महंगाई बढ़ी, आपदा प्रबंधन की चुनौतियां अधिक जटिल हुईं, जिम्मेदारियां लगातार बढ़ीं और उनकी भूमिका का दायरा भी विस्तृत हुआ।

ट्रेंडिंग न्यूज

कोयंबटूर में एनएच-83 पर खड़ी पानी की टंकी से कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत

ट्रेंडिंग न्यूज

कोयंबटूर, यूटर्न/ 02 अगस्त । तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में रविवार को दिल दहलाने वाली घटना घटी है। यहां दोपहर लगभग 1.00 बजे गोमंगलम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में पोलाची-उदुमलपेट रोड (एनएच-83) पर नल्लामपल्ली पिरिवु के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की जान चली गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक मारुति सेलेरियो कार में यात्रा कर रहे थे.

सीजेपी कोर पैनल की बैठक 5 अगस्त को, अभिजीत दिपके करेंगे अध्यक्षता

छत्रपति संभाजीनगर, यूटर्न/ 02 अगस्त । अभिजीत दिपके के नेतृत्व वाला ऑनलाइन आंदोलन 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) 5 अगस्त को अपनी कोर कमेटी की बैठक में राजनीति में उतरने या न उतरने के बारे में कोई अहम फैसला लेने वाला है। रविवार को सूत्रों ने इसके बारे में बताया। एक अधिकारी ने बताया कि अभिजीत दिपके, अलग-अलग राज्यों में समर्थकों से मिले फीडबैक के आधार पर भविष्य की रणनीति बनाने के लिए आंदोलन के सदस्यों की अपने घर पर बैठक करने वाले हैं। सीजेपी के अधिकारी ने कहा कि नीट पेपर लीक को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए 'सफल' विरोध-प्रदर्शन और उसके बाद तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे ने दिपके के नेतृत्व वाले संगठन से उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें जनप्रतिनिधि: योगी

लखनऊ, यूटर्न/ 02 अगस्त । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता पक्ष व विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों (विधानसभा/विधान परिषद सदस्यों) से कहा कि जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें। साथ ही स्वस्थ चर्चा कर विकास को और गति प्रदान करने में सरकार का सहयोग करें। उन्होंने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की अपील भी की। सीएम योगी रविवार को विधान भवन में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक 3 अगस्त से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र के संचालन के संबंध में आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद अत्यंत महत्वपूर्ण है और सदन जनप्रतिनिधियों को संवाद करने का मंच प्रदान करता है। इससे निकले परिणाम जनोपयोगी होते हैं। 9 वर्ष में विधानसभा ने पूरे देश में संसदीय कार्यप्रणाली में उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है।

ड्रग और हथियार तस्करों के खिलाफ सुरक्षा बलों का सफल अभियान, बड़ी खेप जब्त

काबुल, यूटर्न/ 02 अगस्त । अफगान सुरक्षा बलों ने शनिवार को पूर्वी खोस्त प्रांत में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक ऑपरेशन के दौरान गैर-कानूनी ड्रग्स की एक बड़ी खेप जब्त की। शनिवार को ही नंगरहार प्रांत में हथियार तस्करी की कोशिश को भी नाकाम किया गया था। अफगानिस्तान में नशे और अवैध हथियारों की तस्करी को रोकने का अभियान पिछले कुछ महीनों से जारी है। सिन्हुआ ने खोस्त पुलिस के प्रवक्ता ताहिर अहरार के हवाले से बताया कि एक सूचना के आधार पर चलाए गए इस ऑपरेशन में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया और उस गाड़ी को जब्त किया गया जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर ड्रग्स की ढुलाई के लिए किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

12 वर्षीय छात्र से अश्लील हरकत, केस दर्ज

गाजियाबाद, यूटर्न/ 02 अगस्त । कविनगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुरम स्थित एक सोसायटी में कक्षा छह में पढ़ने वाले 12 वर्षीय छात्र के साथ एक युवक पर अश्लील हरकत करने का आरोप लगा है। शनिवार देर शाम आरोपी विनोद निगम के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। एसीपी कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनके भाई और भाभी ने अपने बेटे को अच्छी शिक्षा और देखभाल के लिए उनके पास छोड़ा हुआ है। बच्चा पिछले कुछ दिनों से गुमसुम और परेशान रह रहा था। चाचा ने प्यार से इसका कारण पूछा तो बच्चे ने रोते हुए आपबीती सुनाई। छात्र ने बताया कि आरोपी उसे बहाने से कमरे में बुलाकर गलत हरकतें करता था। विरोध करने पर उसे डराता-धमकाता था।

मंगल चौक पर अधूरे नाले से बढ़ा हादसे का खतरा

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 02 अगस्त । नीति खंड-1 स्थित मंगल चौक पर अधूरे नाले के निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। इंदिरापुरम वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव सुदर्शन अवस्थी ने महापौर और नगर आयुक्त को पत्र भेजकर वसुंधरा जोन के सिविल विभाग की लापरवाही पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने शिकायत पत्र में कहा कि नाले का निर्माण पूरा होने के बावजूद मिट्टी भरकर समतल नहीं कराया गया है। इससे सड़क पर गहरे गड्ढे और कच्ची जगह बनी हुई है, जहां आए दिन ई-रिक्शा, दोपहिया वाहन चालक और राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। अधिकारियों से शिकायत करते हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही।

युवक की आत्महत्या के मामले में पत्नी गिरफ्तार

लोनी, यूटर्न/ 02 अगस्त । रेल विहार कॉलोनी निवासी राजकुमार आत्महत्या मामले में पुलिस ने उनकी पत्नी रजनी को गिरफ्तार किया है। महिला पर पति को मानसिक प्रताड़ना देने का आरोप था। आत्महत्या 21 मई को हुई थी और युवक के पिता ने पुत्रवधू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोपी महिला ने पुलिस की पूछताछ में घरेलू कलह की बात से तंग आकर पति के आत्महत्या करने की बात स्वीकार की है। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि रजनी हापुड़ के जसरूप नगर कॉलोनी की रहने वाली है और राजकुमार से उसकी शादी 18 वर्ष पहले हुई थी। उनके दो 2 बच्चे भी हैं। शादी के बाद से ही दोनों के बीच पारिवारिक विवाद शुरू हो गया था। कुछ दिन दोनों अलग रहने लगे, लेकिन एक वर्ष से दोनों फिर एक साथ रहने लगे। 21 मई को आपसी कलह के चलते राजकुमार ने आत्महत्या कर ली थी।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत, हर युवा बने बदलाव का वाहक : कृष्ण लाल पंवार

शिव ध्वज और कलश के साथ किया नशा मुक्ति युवा कार्यक्रम का आगाज

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 02 अगस्त । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के मतलौडा स्थित ज्ञान मानसरोवर सभागार में आयोजित 'नशा मुक्त युवा अभियान' कार्यक्रम में हरियाणा के पंचायत विकास एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नशा मुक्त भारत अभियान पर वर्चुअल संदेश सुना। इसके बाद अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान केवल एक सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का राष्ट्रीय जनआंदोलन है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, कृषि, उद्योग और राष्ट्र निर्माण में लगाएगा। उन्होंने युवाओं से आ'ान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहने का संकल्प लें और समाज में भी जागरूकता फैलाकर इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं। कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि संस्कार, स्वस्थ जीवनशैली और आत्मविश्वास विकसित भारत की सबसे बड़ी पूंजी हैं। नशा युवाओं की प्रतिभा, परिवार और भविष्य को बर्बाद करता है। इसलिए हर युवा को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार नशे के खिलाफ प्रभावी अभियान चला रही है। एंटी नारकोटिक सेल सक्रिय रूप से कार्य कर रही है तथा स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ इस लड़ाई में सरकार के साथ समाज की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है।

मंत्री ने बताया कि प्रदेश की लगभग 6,280 पंचायतों में युवाओं को खेलों की ओर प्रोत्साहित करने के लिए सैकड़ों गांवों में इंडोर जिम और खेल सुविधाएं विकसित की गई हैं। स्वस्थ युवा ही नशे जैसी बुराई को परास्त कर सकते हैं।

उन्होंने राष्ट्रमंडल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले नीरज चोपड़ा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि पूरे हरियाणा और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा है। इस दौरान उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही संस्था को 11 लाख रुपये की सहायता राशि देने की भी घोषणा की।

कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेंटर के निदेशक भारत भूषण ने कहा कि नशा केवल शरीर को नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और पूरे समाज को कमजोर करता है। उन्होंने युवाओं से राजयोग, आध्यात्मिक मूल्यों और श्रेष्ठ संस्कारों को अपनाकर नशा मुक्त जीवन जीने का आ'ान किया। इस अवसर पर बच्चों ने नशा मुक्ति विषय पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। इस मौके पर एसडीएम नवदीप, तहसीलदार वीरेंद्र गिल, बीके सरला, बीके सुमन ,सुनीता सहित अनेक गणमान्य नागरिक, युवा एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

युवा शक्ति के संकल्प से साकार होगा नशामुक्त एवं विकसित भारत का सपना :प्रो . असीम कुमार घोष

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 02 अगस्त । राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि युवा शक्ति के संकल्प से ही भारत को नशा मुक्त एवं विकसित राष्ट्र का सपना पूरा हो सकता है। इस देश में एक-एक युवा को संकल्प लेकर भारत को सशक्त, समृद्धि और खुशहाली की तरफ लेकर जाना होगा। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साथ 28 हजार जगहों से ऑनलाइन प्रणाली से जुड़े 1 करोड़ से ज्यादा युवाओं को नशे से दूर रहने और वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिया।

राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के श्रीमदभगवद गीता सदन में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय व माय भारत के तत्वाधान में आयोजित नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष, हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, मेरा युवा भारत हरियाणा के निदेशक आकर्ष दीक्षित, हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, कुलसचिव प्रोफेसर वीरेंद्र पाल ने दीपशिखा प्रज्ज्वलित करके विधिवत रुप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन प्रणाली के साथ जुडकर देश के 1 करोड़ से ज्यादा युवाओं को नशे से दूर रहने और राष्ट्र को विकसित भारत बनाने के सपने को साकार करने का संकल्प दिलाया। इसके बाद राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभागार में हजारों युवाओं, शिक्षकों और अधिकारियों व कर्मचारियों को देश व प्रदेश को नशा मुक्त बनाने की शपथ भी दिलाई है।

राज्यपाल एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नशामुक्त युवा भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ कर रहे है। इस अभियान के माध्यम से देशभर के 28 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवा एकजुट होकर नशामुक्त और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प ले रहे हैं। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि हमारा देश हजारों वर्षों से अनेक चुनौतियों का सामना करता आया है। हमने विदेशी आक्रमण, युद्ध, आर्थिक संकट, कोरोना महामारी, मलेरिया, प्लेग जैसी अनेक कठिन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला किया है। इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि भारत की जनता, विशेषकर हमारे युवा, नशे जैसी इस गंभीर सामाजिक बुराई को भी पराजित करने में सफल होंगे।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों पर विशेष गर्व है क्योंकि हरियाणा ने देश को सशक्त सेना, समृद्ध कृषि, उत्कृष्ट खिलाड़ी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। हरियाणा के लोग नशे के इस अभिशाप के विरुद्ध भी अग्रणी भूमिका निभाएंगे और समाज को नशा मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

प्लॉट में घुसकर मालिक से मारपीट, छह पर प्राथमिकी

लोनी, यूटर्न/ 02 अगस्त । अंकुर विहार थाना पुलिस ने रामेश्वर पार्क एक्सटेंशन निवासी रमेश की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपी रामेश्वर पार्क सी-ब्लॉक निवासी नवीन झा, रवि झा, अमन झा, निक्कू झा और रवि पावला समेत छह लोग हैं। मामला 31 जुलाई का है जब आरोपी पीड़ित के प्लॉट में जबरन घुसे और मारपीट कर धमकी देकर भाग गए। दर्ज मामले में पीड़ित ने बताया कि वह लोनी के आजाद एन्कलेव में रहते हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने रामेश्वर पार्क एक्सटेंशन में 60 वर्गगज का प्लॉट खरीदा था। चाहरदीवारी कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज करके आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

बाइक टकराने पर संयुक्त अस्पताल के वार्ड ब्वॉय को पीटा

लोनी, यूटर्न/ 02 अगस्त । बॉर्डर थानाक्षेत्र स्थित संयुक्त अस्पताल के वार्ड ब्वॉय राजीव गार्डन कॉलोनी निवासी कमल से चार बाइक सवार युवकों ने मारपीट कर दी। विवाद 25 जुलाई को हुआ जब कमल कार से घर लौट रहे थे। तहरीर पर पुलिस ने हिमांशु समेत चार लोगों पर एक अगस्त को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। कमल ने पुलिस को बताया कि 25 जुलाई की दोपहर 3 बजे वह ड्यूटी से घर जा रहे थे। मंगल बाजार में सामने से आ रही बाइक ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई और खुद भी चोटिल हो गए। उन्होंने बाइक सवारों के समक्ष विरोध जताया तो हिमांशु नामक युवक ने कॉल करके दोस्तों को बुला लिया। इसके बाद उनसे मारपीट कर दी। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि मौके पर मौजूद दुकानदारों से पूछताछ की जा रही है।

ब्रह्माकुमारीज के नेतृत्व में लाडवा में 'आदर्श ग्राम' अभियान का शुभारंभ

» हरियाणा, यूटर्न/ 02 अगस्त ।

ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग के नेतृत्व में गांव लाडवा को 'आदर्श ग्राम' के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना का रविवार को भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में दो हजार से अधिक ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेते हुए गांव के समग्र विकास का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि लाडवा उनके विधानसभा क्षेत्र का महत्वपूर्ण गांव है और इस परियोजना के लिए इसका चयन होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास योजना की सफलता केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से सुनिश्चित होती है। यदि गांव का प्रत्येक व्यक्ति इस अभियान को अपना अभियान मानकर आगे आएगा तो लाडवा निश्चित रूप से प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी एक आदर्श मॉडल बनेगा।

उन्होंने ब्रह्माकुमारीज, जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड, कनेक्टिंग ड्रीम्स एनजीओ, स्फेर्यूल एनजीओ एवं मिशन समृद्धि तथा सभी सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक एवं आध्यात्मिक संगठनों की ऐसी पहल ग्रामीण विकास को नई दिशा प्रदान करती है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक समरसता के लिए मिलकर कार्य करने का आ'ान किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि एवं हिसार की विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन छोटे-छोटे सामूहिक प्रयासों से ही संभव होता है। उन्होंने कहा कि जब समाज, उद्योग, प्रशासन और स्वयं ग्रामीण एक साझा लक्ष्य लेकर आगे बढ़ते हैं तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से अपनी क्षमता के अनुसार इस अभियान में योगदान देने की अपील की। ब्रह्माकुमारीज कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी बीके सरला दीदी ने कहा कि संगठन देशभर में ग्रामीण क्षेत्रों में आध्यात्मिक मूल्यों के साथ सतत विकास की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर, स्वच्छ, शिक्षित एवं संस्कारित गांव ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। लाडवा को आदर्श ग्राम बनाने के लिए प्रत्येक परिवार की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होगी।

दंपती के घर में घुसकर पांच नाबालिगों पर मारपीट का आरोप

खोड़ा, यूटर्न/ 02 अगस्त । थानाक्षेत्र में एक महिला ने पांच नाबालिगों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। आरोप है कि पांच नाबालिग लड़के 30 जुलाई की शाम उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने उनसे व पति से मारपीट कर दी। वहीं, एक नाबालिग ने अपनी महिला मित्र से छेड़छाड़ करने का आरोप महिला के पति पर लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी तहरीर में महिला ने बताया कि वह और उसके पति बच्चों को नृत्य सिखाते हैं। 30 जुलाई की रात करीब 9:30 बजे अचानक पांच नाबालिग लड़के उनके घर में घुसे और मारपीट करने लगे। जब उनके बुजुर्ग माता-पिता बचाव करने पहुंचे तब आरोपियों ने उन्हें भी पीटा। शोर सुनकर पड़ोसी एकत्र हुए और किसी तरह आरोपी एक लड़के को कमरे में बंद कर उसे पुलिस को सौंप दिया। महिला का आरोप है कि किशोर ने उनके कपड़े भी फाड़ डाले। वहीं, पुलिस का कहना है कि एक नाबालिग ने महिला के पति पर नृत्य सिखाते समय उसकी महिला मित्र से छेड़छाड़ की थी। महिला मित्र ने जब यह बात उसे बताई तब वह अपने दोस्तों के साथ महिला से उसके पति की शिकायत करने पहुंचा था, लेकिन उसके पति ने कमरे में बंद करके बुरी तरह पीटा। पुलिस के अनुसार किशोर की आंख के पास व चेहरे पर अन्य जगह भी चोट के निशान हैं। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। नृत्य शिक्षक दंपति का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

हरियाणा के आटा एवं मैदा उद्योग को नई गति देने की मांग, राजेश ठकराल को सौंपा ज्ञापन : राजेश ठकराल

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 02 अगस्त । हरियाणा रोलर फ्लोर मिल एवं चक्की एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन राजेश ठकराल को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश के आटा एवं मैदा उद्योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा में गेहूं की प्रोसेसिंग पर लगने वाली मंडी फीस एवं एचआरडीएफ (सेस) में राहत प्रदान करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई ऊर्जा मिलेगी और हरियाणा निवेश के लिए अधिक आकर्षक राज्य बन सकेगा। इस अवसर पर एसोसिएशन की ओर से नवीन शिवानी, अतुल हिसार, राजेश उचाना, पुनीत करनाल, संजीव अंबाला, अनिल टोहाना तथा मनन कुरुक्षेत्र सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन राजेश ठकराल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार व्यापार और उद्योगों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। व्यापारियों और औद्योगिक संगठनों की प्रत्येक व्यवहारिक समस्या एवं सुझाव को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन और मांगों को संबंधित विभागों तथा राज्य सरकार के समक्ष सकारात्मक रूप से रखा जाएगा, ताकि उद्योग हित में उचित निर्णय लिया जा सके। राजेश ठकराल ने कहा कि हरियाणा देश के अग्रणी गेहूं उत्पादक राज्यों में शामिल है। ऐसे में यह आवश्यक है कि गेहूं आधारित उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिले, जिससे प्रदेश में नए निवेश आएं, आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित हों और युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर सृजित हों। उन्होंने कहा कि मजबूत उद्योग किसानों की उपज को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेंगे।

माता-पिता को याद करने के लिए लगाए जाने वाले रक्तदान शिविर युवा पीढ़ी को करेंगे प्रेरित

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 02 अगस्त । स्वर्गीय श्री मेहरचंद मेंहदीरत्ता की 37वीं पुण्यतिथि पर लगाया 23वां विशाल रक्तदान शिविर, रक्तदान शिविर में 121 लोगों ने किया रक्तदान, स्लम बस्ती के स्कूली विद्यार्थियों को वितरित की पाठ्य सामग्री, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में बीएस हार्ट केयर के सहयोग से लोगों के हृदय, ब्लड शुगर व रक्त की जांच, मरीजों को वितरित की निःशुल्क दवाईयां, विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर व प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मानित, ट्रस्ट की तरफ से शिक्षाविदों को भी किया गया सम्मानित, स्वर्गीय मेहरचंद मेहंदीरत्ता चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने रक्तदाताओं का आभार किया व्यक्त.

एमडीडी आफ इंडिया संस्था द्वारा सत्ताईसवां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 02 अगस्त । एमडीडी आफ इंडिया संस्था द्वारा अपना सत्ताईसवां स्थापना दिवस समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव मीनाक्षी यादव विशिष्ट अतिथि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की सचिव मीना कम्बोज विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक मार्डन डायरी करनाल डॉ पी. के.जैन व विशिष्ट अतिथि समाजसेवी दिलबाग लाठर रहें।

कार्यक्रम में इस अवसर पर एम . डी. डी .बाल भवन के बच्चों ने खुबसूरत प्रस्तुतियां दी, जिस पर सभी उपस्थित ने बच्चों की सराहना की, स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था संस्थापक पी आर नाथ ने कहा संस्था पिछले 27 वर्षों से निरन्तर बाल हित सर्वोपरि के कार्य को साकार कर रही है और लगभग 1500 बच्चों का अब तक लालन-पालन व शिक्षा का प्रबंध किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीजेएम मीनाक्षी यादव ने कहा कि संस्था बच्चों के लिए सराहनीय कार्य कर रही है और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भी समय समय पर बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए संस्था का दौरा कर बच्चों से जुड़ी जरूरी सुविधाओं का जायजा लेता है। विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक मार्डन डायरी करनाल डॉ. पी के जैन व हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद सचिव मीना कम्बोज व समाजसेवी दिलबाग लाठर ने भी संस्था की गतिविधियों की सराहना की, संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुरेन्द्र सिंह मान ने संस्था की हरियाणा भर में बाल विवाह मुक्त भारत, बाल यौन शोषण व बाल श्रम बारे गतिविधियों की चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों व उपस्थित सदस्यों द्वारा पौधारोपण भी किया गया, कार्यक्रम में संस्था निदेशक पी आर नाथ,संस्था प्रधान राजीव वर्मा उपप्रधान निशिकांत मितल, अविनाश कुमारी, महासचिव श्याम सुन्दर पुरिथी, सचिव अमित कांबोज, कोषाध्यक्ष परमिंदर पाल सिंह, संस्था सदस्य सुभाष वधावन, अंजु शर्मा, लाभ सिंह,राजेश, सुरेन्द्र सिंह मान व सुषमा नाथ द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया, कार्यक्रम में विजलेंस विभाग अधिकारी शशी कान्त शर्मा,डी. सी.चंदेल,राटरी क्लब करनाल अध्यक्ष भारती शर्मा, गौरव तूली, जसवंत रेढू, आरती गुप्ता सहित सैकड़ों श्रोता उपस्थित रहे।

10 अगस्त को जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जेल भरो आंदोलन को लेकर व्यापक , तैयारियां

» पानीपत, यूटर्न/ 02 अगस्त ।

भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र व राज्य सरकारों की किसान -मजदूर-कर्मचारी और जन विरोधीविरोधी नीतियों के खिलाफ देशव्यापी जेल भरो आंदोलन की तैयारी को लेकर मजदूर संगठन सीटू, अखिल भारतीय किसान सभा, अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के संयुक्त नेतृत्वकारी कार्यकर्ताओं का संयुक्त जिला स्तरीय सम्मेलन सीटू जिला कार्यालय क्रांतिकारी शिव वर्मा स्मारक भवन, गीता कॉलोनी पानीपत में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक , सीटू जिला सह संयोजक जय भगवान, खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के जिला प्रधान रोहतास ने संयुक्त रूप से की। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीटू राज्य सचिव सुनील दत्त ने भाजपा -संघ परिवार नेतृत्व वाली तानाशाह सरकार की जन विरोधी नीतियों के चलते देश की 80 फीसदी मेहनतकश जनता किसान मजदूर भारी आर्थिक संकट का सामना कर रही है।

*देश की अर्थव्यवस्था बबार्दी की तरफ है। देश की जनता जिंदा रहने के लिए महत्वपूर्ण आवश्यकताओं जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, खाद्य संकट, बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर सड़को पर उतरकर बड़े-बड़े जन आंदोलन कर रही है।

*तानाशाह मोदी सरकार जनता के जनतांत्रिक अधिकारों संविधान लोकतंत्र को कुचलते हुए जन आंदोलन को पुलिस दमन से कुचल रही है। इसके खिलाफ देश की जनता में भारी गुस्सा है। पिछले 6 महीने के अंदर देश के मजदूर, किसान, कर्मचारी, छात्र नौजवान लाखों की संख्या में सड़कों पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं। छात्र आंदोलन पर पुलिस दमन के खिलाफ लगातार संसद के अंदर देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बातचीत करने के लिए तैयार ही नहीं है संसद ही नहीं जा रहे हैं।

*उन्होंने कहा देश की तानाशाह सरकार सावधान हो जाइए पहले तुम्हारी अकड़ देश के किसान आंदोलन में किसानों ने तोड़ी और अब तुम्हारी अकड़ को किसान मजदूर की औलाद ने दिल्ली जंतर मंतर पर हुए छात्र युवा आंदोलन में तोड़ते हुए चकनाचूर कर दिया है। देश को धर्म जाति और क्षेत्रवाद के नाम पर हिंदू मुस्लिम के नाम पर, जाट गैर जाट के नाम पर ,आप कभी नहीं बांट पाओगे।

होम्योपैथी के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डॉ . नेहा बिदानी को कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने किया सम्मानित

» हरियाणा, यूटर्न/ 02 अगस्त ।

दैनिक जागरण द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में होम्योपैथी के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं एवं समाज के प्रति समर्पित योगदान के लिए डॉ. नेहा बिदानी को हरियाणा सरकार के मंत्री रणबीर गंगवा के करकमलों द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. नेहा बिदानी को होम्योपैथी चिकित्सा के माध्यम से समाज की सेवा करने तथा जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

यह सम्मान उनके निरंतर समर्पण, सेवा भावना और होम्योपैथी के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना का प्रतीक है। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. नेहा बिदानी ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव का विषय है और इससे उन्हें समाजसेवा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि होम्योपैथी चिकित्सा के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया जाए तथा स्वास्थ्य के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य किया जाए। डॉ. नेहा बिदानी को मिले इस सम्मान पर उनके परिजनों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्र के लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बालिका शिक्षा कार्यशाला का सफल समापन

परमिंदर सिंह/कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 02 अगस्त । विद्याभारती हरियाणा प्रांत द्वारा आयोजित दो दिवसीय बालिका शिक्षा कार्यशाला का आज आदर्श बाल मंदिर उच्च विद्यालय, नरवाना में सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला में हिंदू शिक्षा समिति हरियाणा प्रांत के 20 विद्यालयों से 24 आचार्या दीदियों एवं 37 छात्रा बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला में अखिल भारतीय बालिका शिक्षा प्रभारी अवनीश भट नागर, अखिल भारतीय बालिका शिक्षा सह-संयोजिका सुनीता पांडे तथा क्षेत्रीय बालिका शिक्षा सह-संयोजिका मंजू मानव का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। आठ सत्रों में संपन्न इस कार्यशाला में सात औपचारिक एवं एक अनौपचारिक सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रमुख विषयों में वर्तमान संदर्भ में बालिका शिक्षा की आवश्यकता, समकालीन चुनौतियाँ, लव जिहाद, स्त्री स्वतंत्रता एवं अधिकारों का भारतीय संदर्भ, बालिका शिक्षा परिषदों का गठन तथा दस परिषदों की छात्राओं द्वारा प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ प्रमुख रहीं। 16 विद्यालयों की आचार्या दीदियों ने गत वर्ष के बालिका शिक्षा कार्यक्रमों की पीपीटी प्रस्तुत की तथा जागृति हेतु प्रेरक वीडियो भी प्रदर्शित किए गए। पंचकूला विराट नगर से साध्वी डॉ. अमृता का 'हिंदुत्व आधारित नारी की संकल्पना' विषय पर ओजस्वी एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन विशेष आकर्षण रहा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

प्रियंका गांधी का तीखा सवाल: क्या वे आतंकवादी थे?

संदीप शर्मा

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी का संसद में सवाल बहुत सीधा था: 'क्या वे आतंकवादी थे?' यह सवाल पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन, आंसू गैस, वॉटर कैनन और लाठीचार्ज के कथित इस्तेमाल को लेकर पूछा गया था।

लेकिन शायद इस सवाल के साथ कुछ और सवाल भी पूछे जाने चाहिए।

1. पैलेट गन के इस्तेमाल की इजाजत किसने दी?

2. अगर प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण छात्र थे, तो किस तरह के खतरे ने इतनी सख्ती को सही ठहराया?

3. अगर वे हिंसक थे, तो क्या इस बात का कोई विस्तृत सार्वजनिक ब्योरा है कि हर स्तर पर बल प्रयोग क्यों जरूरी हो गया?

4. अगर तय प्रक्रियाओं (SOP) का पालन किया गया, तो क्या उन प्रक्रियाओं पर भी सार्वजनिक रूप से बहस होनी चाहिए?

5. भारत में हर बड़ा विरोध प्रदर्शन आखिर में पुलिसिंग पर चर्चा क्यों बन जाता है, न कि उस समस्या पर जिसके कारण नागरिक सड़कों पर उतरे थे?

6. सरकारें, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल की हों, बातचीत करने से पहले दंगा-रोधी तैयारी (riot geor) का सहारा क्यों लेती हैं?

7. अगर जवाबदेही की मांग करने वाले छात्रों का सामना पैलेट गन से किया जा सकता है, तो इससे अगली पीढ़ी को लोकतांत्रिक विरोध के बारे में क्या संदेश मिलता है?

8. अगर संसद लोकतंत्र का मंदिर है, तो क्या वहां उठाए गए सवालों का जवाब तथ्यों के साथ दिया जाना चाहिए या उन्हें राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के शोर में दबा दिया जाना चाहिए?

9. सबसे अहम बात, प्रदर्शनकारियों से हमेशा जवाबदेही की उम्मीद क्यों की जाती है, जबकि बल प्रयोग का आदेश देने वालों से शायद ही कभी ऐसी मांग की जाती है?

ये मुश्किल सवाल हैं। इनके जवाब मिलने चाहिए। सरकार का कहना है कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने तय प्रक्रियाओं का पालन किया और कानून-व्यवस्था की स्थिति को संभाला। सुप्रीम कोर्ट ने भी पैलेट गन पर पूरी तरह रोक लगाने से इनकार कर दिया है, साथ ही घायल प्रदर्शनकारियों के इलाज का निर्देश दिया है।

लेकिन प्रक्रिया का पालन करना और उसे सही ठहराना, दोनों अलग-अलग बातें हैं।

यह मुद्दा किसी एक विरोध प्रदर्शन, एक सरकार या विपक्ष के किसी एक भाषण से कहीं बड़ा है। यह उस स्थिति के बारे में है जब एक लोकतांत्रिक देश यह तय करता है कि समझाने-बुझाने की कोशिशें नाकाम हो गई हैं और अब जबरदस्ती का सहारा लेना होगा।

क्योंकि हर बार जब समझाने-बुझाने की जगह पैलेट गन का इस्तेमाल होता है, तो लोकतंत्र को भी कुछ सवाल पूछने का हक होता है। और ये सवाल तीखे और कड़े होने चाहिए।

निर्वाचित तानाशाही की अभेद्य दीवार में छेद: युवाओं ने दिखाया रास्ता

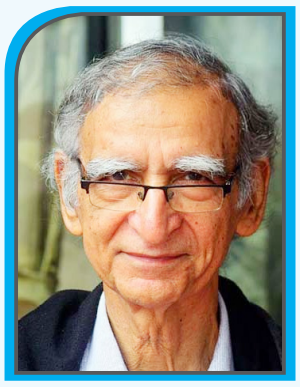

चुनाव नजदीक आने पर ही उसने तीन कृषि कानून वापिस लिए। सरकार ने शाहीन बाग में चल रहे विरोध प्रदर्शन में बाधा डालने के लिए असामाजिक तत्वों को प्रोत्साहन दिया। पेपर लीक के खिलाफ समय-समय पर उठाई गई आवाजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। इस बार स्थिति अलग थी। सरकार ने आंदोलन की उपेक्षा करने की कोशिश की लेकिन आखिरकार उसे मांगे मानने पर मजबूर होना पड़ा। इसमें सबसे प्रमुख मांग थी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा। उनकी जगह प्रहलाद जोशी को शिक्षा मंत्री बनाया गया। जोशी भी संघी पृष्ठभूमि के हैं।

राम पुनियानी

कॉ करोच जनता पार्टी की स्थापना और जंतर मंतर पर उसके हालिया जबर दस्त विरोध प्रदर्शन के बारे में हम सब जानते हैं। वदीर्धारी पुलिस और गैर-वदीर्धारी शंकास्पद व्यक्तियों ने दिल्ली और अन्य स्थानों पर युवाओं पर लाठीचार्ज किया और उनके खिलाफ पैलेट गन और यहां तक कि एके-47 राइफल तक का इस्तेमाल किया गया। यह सब लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रजातान्त्रिक तौर-तरीकों के एकदम खिलाफ था। विरोध प्रदर्शन का दूसरा पहलू था नाचते-गाते युवा, एक साथ मिलकर पोस्टर बनाते युवा, हँसते-गाते युवा जो हमें कार्ल मार्क्स के प्रसिद्ध कथन की याद दिलाते हैं कि क्रांति आमजनों का उत्सव होती है। हालांकि जंतर मंतर और देश के अन्य भागों में हुए विरोध प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि और आकार-प्रकार किसी क्रांति से पूरी तरह अलग था। तानाशाही प्रवृत्ति की सरकार, जो जनता की जायज मांगों की ओर जरा सा भी ध्यान नहीं देती थी, बहुत लंबे समय के बाद झुकी। कारण यह कि विरोध नए-नए शहरों में फैलता जा रहा था और तानाशाह सरकार का डर पिघलता जा रहा था। हमने पहले देखा है कि किसानों के 12 महीने तक चले आंदोलन के दौरान सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगीं और

चुनाव नजदीक आने पर ही उसने तीन कृषि कानून वापिस लिए। सरकार ने शाहीन बाग में चल रहे विरोध प्रदर्शन में बाधा डालने के लिए असामाजिक तत्वों को प्रोत्साहन दिया। पेपर लीक के खिलाफ समय-समय पर उठाई गई आवाजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। इस बार स्थिति अलग थी। सरकार ने आंदोलन की उपेक्षा करने की कोशिश की लेकिन आखिरकार उसे मांगे मानने पर मजबूर होना पड़ा। इसमें सबसे प्रमुख मांग थी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा। उनकी जगह प्रहलाद जोशी को शिक्षा मंत्री बनाया गया। जोशी भी संघी पृष्ठभूमि के हैं। उनके व्यक्तित्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने बिलकीस बानो के साथ दुष्कर्म करने वालों को रिहा किए जाने का समर्थन किया था। पेपर लीक के मसले पर विचार करने और इसे रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में सुझाव देने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। यहां यह बताना दिलचस्प होगा कि प्रियंका गांधी के अनुसार इस समिति में एक ऐसे सज्जन को भी शामिल किया गया है जो गौमूत्र विशेषज्ञ हैं और कई ऐसे लोगों को भी जो शिक्षा प्रणाली का क, ख ग भी नहीं जानते।

अभी जहां छात्र नेता यह सुनिश्चित करने में जुटे हैं कि सरकार अपने लिखित आश्वासनों को पूरा करे, वहीं यह जरूरी है कि हम इस छात्र आंदोलन की कामयाबी' को समझें। यह आंदोलन कहीं से भी फ्रांस में 1968 में हुए छात्र आंदोलन, या हमारे पड़ोसी देशों श्रीलंका, बांग्लादेश या नेपाल में हुई छात्र विद्रोहों जैसा नहीं था।

लेकिन फिर भी यह भाजपा के आईटी मीडिया सेल द्वारा निर्मित धारणाओं में काफी कुछ बदलाव लाने में कामयाब रहा। इसने उस प्रोपेगेंडा के प्रभाव को भी कुछ कम किया जो गोदी मीडिया और संघ परिवार द्वारा अपनी शाखाओं, हजारों स्कूलों और अन्य अनुषांगिक संगठनों के माध्यम से किया जाता है। सरकार के खिलाफ हिम्मत से बोलने का साहस धीरे-धीरे लोगों में वापिस लौटेगा, ऐसी संभावना है। जहां कॉकरोच जनता पार्टी और उसके नेता अभिजीत दीपके इस प्रदर्शन के केन्द्र में थे वहीं इसकी नींव पिछले कई सालों से तैयार हो रही थी। बढ़ती बेरोजगारी, जीवनयापन का लगातार महंगा होते जाना और बढ़ते अभावों के कारण यह आंदोलन खड़ा हुआ। अभिव्यक्ति की आजादी, धार्मिक स्वतंत्रता, भूख और आनंद के सूचकांकों पर भारत के लगातार नीचे गिरते जाने को भले ही सरकार खारिज करती रही हो मगर यह समाज के बिगड़ते हालातों को प्रतिबिंबित करता था।

मुख्यधारा के मीडिया ने अपनी भूमिका सत्ताधारियों के स्तुतिगान और प्रतिपक्ष की आलोचना करने तक सीमित कर ली है। इस चौथे स्तंभ का किस कदर अधःपतन हुआ है और उसकी छवि कैसी बन गई है, यह इससे साफ है कि लोगों ने गोदी मीडिया के पत्रकारों को हूट किया। हालांकि यह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं था, लेकिन इससे पता लगता है कि आम लोगों में गोदी मीडिया की कितनी बुरी छवि बन गई है। यह इसलिए क्योंकि वह अपनी सही भूमिका त्यागकर सत्ताधारियों की सेवक बन गई है।

चिंतन-मनन : दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें।

कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे।

चंदा चोरी पर घिर रही थी भाजपा, विपक्ष ने भगवा लाकर खुद के पैर पर मार ली कुल्हाड़ी

दिलीप कुमार पाठक

राजनीति में एक बहुत पुरानी कहावत है कि जब आपका विरोधी खुद गलती कर रहा हो, तो उसके रास्ते में कभी नहीं आना चाहिए। लेकिन विपक्ष के सलाहकारों को शायद यह बुनियादी बात समझ नहीं आती। वे अक्सर विरोधी के पैर पर कुल्हाड़ी मारने का इंतजार नहीं करते, बल्कि खुद ही कुल्हाड़ी उठाकर अपने पैर पर मार लेते हैं। शुक्रवार की घटना को ही देख लीजिए। एक तरफ चंदा चोरी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष पूरी तरह बैकफुट पर था। जनता के बीच गंभीर सवाल तैर रहे थे और सरकार के पास कोई साफ जवाब नहीं था। यह एक ऐसा बना-बनाया मुद्दा था, जिसे विपक्ष आसानी से अपने पक्ष में भुना सकता था। लेकिन ठीक इसी मोड़ पर विपक्ष के किसी परम ज्ञानी रणनीतिकार ने अपना दिमाग चलाया। उन्होंने चंदा चोरी के एक ड्रामे में भगवा कपड़े पहने एक संत को चोर के रूप में पेश कर दिया। नतीजा क्या हुआ? जो मुद्दा भ्रष्टाचार, पारदर्शिता और जनता की गाढ़ी कमाई की लूट का था, वह पलक झपकते ही बदल गया। अब वह सनातन के अपमान का नैरेटिव बन गया । अब उल्टा विपक्ष हाथ जोड़कर यह सफाई दे रहा है कि उनका उद्देश्य किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना नहीं था।

यह पहली बार नहीं है जब विपक्ष ने अपनी ही टीम के खिलाफ आत्मघाती गोल किया हो। असल समस्या यह है कि विपक्ष के रणनीतिकारों को जमीन का कोई ज्ञान ही नहीं है। वे वातानुकूलित कमरों में बैठकर सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को ही पूरे देश का मूड मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि आम जनता उनके बारीक कटाक्ष और प्रतीकों को उसी तरह समझेगी जैसे कोई बुद्धिजीवी समझता है। सच तो यह है कि आज देश के लोग इस तरह के व्यंग्य समझने के मूड में बिलकुल नहीं हैं। राजनीति हमेशा एक नैरेटिव से चलती है। लेकिन विपक्ष हर बार उसी पिच पर खेलने चला जाता है जिसे भाजपा ने उनके लिए तैयार किया है। विपक्ष को यह बात गाँठ बाँध लेनी चाहिए कि वे हिंदुत्व की पिच पर भाजपा का मुकाबला कभी नहीं कर सकते। वह उनकी अपनी पिच है और वहां उनका मुकाबला करने का मतलब है सीधे क्लीन बोल्ड होना। विपक्ष के पास मुद्दों की कभी कोई कमी नहीं रही, लेकिन अपनी रणनीतिक कमियों के कारण उन्होंने हमेशा बड़े मौके गँवाए हैं। जब भी देश में बेरोजगारी, महंगाई या पेपर लीक जैसे युवा और आम जनता से जुड़े मुद्दे गर्म होते हैं, विपक्ष सरकार को घेरने के बजाय किसी सांस्कृतिक या धार्मिक विवाद में कूद पड़ता है। जब जनता महंगाई से त्रस्त होती है, तब विपक्ष के कुछ नेता संसद से लेकर सड़क तक भगवान, धर्मग्रंथों या आस्था से जुड़ी चीजों पर ऐसी टिप्पणियां कर देते हैं जिससे पूरी बहस का रुख ही मुड़ जाता है। नतीजा यह होता है कि जो जनता सुबह सरकार की आर्थिक नीतियों से नाराज थी, वह शाम तक अपनी आस्था के बचाव में खड़ी हो जाती है। जहां आपको सरकार की जवाबदेही तय करनी थी, वहां आपने पूरी बहुसंख्यक आबादी को ही रक्षात्मक मुद्रा में लाकर अपने खिलाफ खड़ा कर लिया।

स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयरों में गिरावट का असर, एलन मस्क की संपत्ति 600 अरब डॉलर घटी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की संपत्ति में 600 अरब डॉलर से अधिक की गिरावट आई है। इसकी वजह स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयरों में कमजोरी आना है। मस्क की संपत्ति 16 जून के अपने उच्चतम स्तर 1.33 ट्रिलियन डॉलर से करीब आधी होकर 684 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। इतनी गिरावट के बाद भी ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। मस्क की संपत्ति में गिरावट का बड़ा योगदान स्पेसएक्स के शेयरों में आई कमजोरी का है। स्पेसएक्स ने जून में 75 अरब डॉलर इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिए जुटाए थे। यह अब तक किसी कंपनी द्वारा लाया गया सबसे बड़ा पब्लिक इश्यू था। आईपीओ की लिस्टिंग इश्यू प्राइस 135 डॉलर प्रति शेयर के मुकाबले 150 डॉलर प्रति शेयर पर हुई। शुरूआत में निवेशकों में स्पेसएक्स को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया और लिस्टिंग के कुछ दिनों में ही शेयर बढ़कर 16 जून को 202 डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, यह तेजी ज्यादा समय तक नहीं चली। तब से स्पेस एक्स के शेयर अपने सबसे ऊंचे स्तर से लगभग 46 प्रतिशत गिरकर 108.37 डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गए हैं, जिससे मस्क की संपत्ति से अरबों डॉलर कम हो गए हैं। टेस्ला के शेयरों में गिरावट ने मस्क की संपत्ति पर दबाव और बढ़ा दिया है। 22 जुलाई को कंपनी की दूसरी तिमाही की कमाई की रिपोर्ट आने के बाद से इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली इस कंपनी के शेयर 17 प्रतिशत तक गिर गए हैं। दो साल से ज्यादा समय में पहली बार टेस्ला एनालिस्ट के मुनाफे के अनुमानों पर खरी नहीं उतरी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स पर खर्च बढ़ने के कारण नेगेटिव फ्री कैश फ्लो दर्ज किया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हुए 9 एफटीए से पश्चिम बंगाल के चाय मछलीपालन और हस्तशिल्प जैसे सेक्टर्स को होगा फायदा: पीयूष गोयल

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए नौ अहम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) से पश्चिम बंगाल को काफी फायदा होगा। विकसित बाजारों तक बेहतर पहुंच से राज्य के निर्यात और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन एफटीए से चाय उत्पादकों, मछुआरों, पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों के साथ-साथ राज्य के युवाओं और महिलाओं को अधिक मौके मिलेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए 9 अहम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स से पश्चिम बंगाल को काफी फायदा होगा।'

गोयल ने आगे कहा, 'बाजार तक बेहतर पहुंच से चाय उत्पादकों, मछुआरों, पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों और राज्य के युवाओं व महिलाओं को लाभ होगा।'

गोयल के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुंच से उत्पादन बढ़ाने, निर्यात का विस्तार करने और पश्चिम बंगाल में कई क्षेत्रों में टिकाऊ रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौतों से मिलने वाले लाभ राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ 'विकसित भारत' के विजन को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे।

केंद्रीय मंत्री ने बताता, 'इससे उत्पादन बढ़ेगा, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और टिकाऊ रोजगार पैदा होंगे, जिससे 'विकसित भारत' का विजन आगे बढ़ेगा।'

इसके अतिरिक्त, इस साल की शुरूआत में राज्य सरकार के एक सूत्र ने बताया कि कम से कम 42 उद्योगपतियों ने राज्य के वाणिज्य और उद्योग मंत्री तापस रॉय से संपर्क किया है और पश्चिम बंगाल में निवेश करने की इच्छा जताई है। अधिकारी के अनुसार, मंत्री ने उन्हें इस संबंध में सहयोग का भरोसा दिलाया है। सूत्र ने आगे कहा कि राज्य विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र के दौरान औद्योगिक क्षेत्र में निवेश से जुड़ी कई घोषणाएं की जा सकती हैं।

सत्ता में आने के बाद, सुवेंदु अधिकारी की सरकार ने कहा था कि राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में विकास होगा और वे खुद इस मामले में दखल देंगे। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पहली बार सत्ता में आने के बाद, केंद्र ने नीति आयोग से पश्चिम बंगाल के उद्योग और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए एक दीर्घकालिक ब्लूप्रिंट तैयार करने को कहा था।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिरी के नेतृत्व में यह काम पहले ही शुरू हो चुका है।

संस्थागत साझेदारियों से हथकरघा क्षेत्र होगा मजबूत, बुनकर होंगे सशक्त : डॉ. एम. बीना

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त

आईआईटी और निफ्ट जैसे प्रमुख संस्थानों की साझेदारी के माध्यम से ऐसे तकनीकी समाधान विकसित किए जा सकते हैं, जो बुनकरों की मेहनत को कम करें, पारंपरिक बुनाई प्रक्रियाओं में वैज्ञानिक सटीकता का समावेश करें और उनके आजीविका स्तर को बेहतर बनाने में मदद करें। यह बात रविवार को वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हथकरघा) डॉ. एम. बीना ने कही।

डॉ. एम. बीना ने आईआईटी दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) में आयोजित 'हैंडलूम हैकाथॉन 2.0' को संबोधित करते हुए भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत और आधुनिक तकनीक के बीच पूरक संबंधों के बारे में विस्तार से बताया।

कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस हैकाथॉन में 2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। देशभर से चुनी गई शीर्ष 100 टीमों के 280 प्रतिभागियों ने भारत के हथकरघा क्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान विकसित करने में भागीदारी की। डॉ. बीना ने कहा, 'हथकरघा हमारी समृद्ध विरासत का प्रतीक है, जबकि प्रौद्योगिकी भविष्य का प्रतिनिधित्व करती है। हैंडलूम हैकाथॉन के माध्यम से हम इन दोनों क्षेत्रों को जोड़कर बुनकर समुदाय के उत्थान का प्रयास कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि हथकरघा स्वाभाविक रूप से टिकाऊ विकास और परिपत्र अर्थव्यवस्था (सकुर्लैरिटी) को बढ़ावा देता है। साथ ही उन्होंने करघा संचालन, डिजाइन विकास और आधुनिक विपणन के क्षेत्रों में नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया।

आईआईटी दिल्ली के टेक्सटाइल एवं फाइबर इंजीनियरिंग विभाग की प्रमुख डॉ. दीप्ति गुप्ता ने कहा कि आईआईटी दिल्ली में स्थापित होने वाला 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हथकरघा टेक्नोलॉजी' हथकरघा और तकनीक के एकीकरण को और मजबूत करेगा। इससे हस्तनिर्मित वस्त्रों की विशिष्टता को बनाए रखते हुए अधिक मानकीकरण और उत्पादकता सुनिश्चित की जा सकेगी। यह केंद्र वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से अगले सप्ताह उद्घाटित किए जाने का प्रस्ताव है।

पर्सिस्टेंट सिस्टम्स का मुनाफा अप्रैल-जून अवधि में तिमाही आधार पर 8.7 प्रतिशत घटकर 483 करोड़ रुपए रहा

» मुंबई, यूटर्न/ 02 अगस्त ।

देश की दिग्गज आईटी कंपनी पर्सिस्टेंट सिस्टम्स लिमिटेड ने रविवार को वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। इस दौरान कंपनी का मुनाफा तिमाही आधार पर 8.7 प्रतिशत घटकर 483 करोड़ रुपए रहा है। इससे पिछली तिमाही (वित्त वर्ष 26 की मार्च तिमाही) में कंपनी को 529 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

कंपनी की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, वित्त वर्ष 27 की जून तिमाही में उसकी ऑपरेशन से आय तिमाही आधार पर 6.1 प्रतिशत बढ़कर 4,303 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि इससे पिछली तिमाही में 4,056 करोड़ रुपए थी।

अप्रैल-जून अवधि में कंपनी का ईबीआईटी तिमाही आधार पर 11.8 प्रतिशत कम होकर 582 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछली तिमाही में 659 करोड़ रुपए था।

कंपनी का ईबीआईटी मार्जिन तिमाही आधार पर 280 अंक कम होकर 13.5 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछली तिमाही में 16.3 प्रतिशत था।

नतीजों पर बात करते हुए, पर्सिस्टेंट के सीईओ और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर संदीप कालरा ने कहा कि तिमाही नतीजों को 1.15 अरब डॉलर की रिकॉर्ड टोटल कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू (टीसीवी) से मजबूती मिली। यह बड़े क्लाइंट एंगेजमेंट में लगातार बनी हुई तेजी को दिखाता है, जिसमें एक प्रमुख ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी के साथ 6.5 साल का स्ट्रैटेजिक सर्विस एग्रीमेंट भी शामिल है, जिसकी टीसीवी 650 मिलियन डॉलर से ज्यादा है।

उन्होंने कहा, 'हमने फ्रैंकफर्ट स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड यूरोप की प्रमुख डिजिटल इंजीनियरिंग कंपनी, नगरो के साथ एक बिजनेस कॉम्बिनेशन एग्रीमेंट साइन किया। यह डील हमारी उस विलय एवं अधिग्रहण रणनीति के मुताबिक है, जिसे हमने अपनी क्षमताओं को मजबूत करने और अपने भौगोलिक दायरे व इंडस्ट्री कवरेज को बढ़ाने के लिए लगातार अपनाया है।'

कालरा ने कहा, 'हम अपने 3सी फ्रेमवर्क और एआई-आधारित प्लेटफॉर्म के जरिए इस क्षमता में निवेश करना जारी रखे हुए हैं, जिससे क्लाइंट्स को ज्यादा इंटेलिजेंट एंटरप्राइज बनाने, अपने ऑपरेटिंग मॉडल को नया रूप देने और एआई से ज्यादा वैल्यू हासिल करने में मदद मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

नई बजाज पल्सर 12 अगस्त को पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त । बजाज ऑटो अपनी लोकप्रिय पल्सर श्रृंखला की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर 12 अगस्त को नई पल्सर मोटरसाइकिल लॉन्च करने की तैयारी में है। रिपोर्टों के अनुसार, 12 अगस्त को अगली पीढ़ी की पल्सर 160 पेश की जा सकती है। हालांकि, कंपनी अपडेटेड पल्सर एन160 या नई पल्सर 125 भी लॉन्च कर सकती है। कंपनी ने संकेत दिए हैं कि आने वाले महीनों में 125 सीसी से 160 सीसी श्रेणी के बीच 10 नए या बड़े अपडेट वाले पल्सर मॉडल बाजार में उतारे जाएंगे। इससे इस सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा और तेज होने की उम्मीद है। फिलहाल बजाज ने आधिकारिक तौर पर लॉन्च होने वाले मॉडल के नाम का खुलासा नहीं किया है। नई पल्सर को पूरी तरह नए प्लेटफॉर्म पर विकसित किए जाने की संभावना है। इसमें नया चेसिस, बेहतर इंजन, अपडेटेड साइकिल पार्ट्स और आधुनिक फीचर्स मिलने की उम्मीद है। सबसे बड़ा बदलाव रियर सस्पेंशन में देखने को मिल सकता है, जहां पारंपरिक ट्विन शॉक एब्जॉर्बर की जगह सेंटर-माउंटेड मोनोशॉक सस्पेंशन दिया जा सकता है। इससे बाइक की हैंडलिंग और राइड क्वालिटी बेहतर होने की संभावना है। डिजाइन के मामले में नई पल्सर अपने मस्कुलर फ्यूल टैंक और दमदार स्टाइल को बरकरार रखते हुए अधिक स्पोर्टी रूप में आ सकती है। इसमें नए बॉडी पैनल, टैंक श्राउड, साइड पैनल और ऑल-एलईडी लाइटिंग सिस्टम मिलने की उम्मीद है।

हीरो विडा ने पहली छमाही में बेचे 1 लाख ई-स्कूटर

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त । दो पहिया वाहन निमार्ता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के इलेक्ट्रिक ब्रांड विडा ने कैलेंडर वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत में 1,02,097 यूनिट्स इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचकर नया कीर्तिमान बनाया है। बीते जनवरी महीने में 13,830 यूनिट्स से शुरू हुई मासिक बिक्री जून में बढ़कर 20,416 यूनिट्स तक पहुँच गई, जिसने मई में ही 20,000 का आंकड़ा पार कर लिया था। घरेलू बाजार में लगातार बढ़ती मांग के साथ, कंपनी अब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पैठ बना रही है, जिसकी शुरूआत नेपाल से हुई है। यह कदम हीरो के निर्यात कारोबार को मजबूत करने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपनी वैश्विक उपस्थिति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। विडा ने नेपाल को अपना पहला विदेशी बाजार चुना है, जहाँ चौधरी ग्रुप की सीजी मोटर्स के साथ साझेदारी में विडा वीएक्स2 ईवी स्कूटर और डर्ट.ई के3 मॉडल पेश किए गए हैं।

नए अवतार में आने की तैयारी में है टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त ।

टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस 2027 में एक नए अवतार में आने की तैयारी में है। इस कार का फेसलिफ्ट वर्जन हाल ही में टेस्टिंग के दौरान देखा गया। मौजूदा मॉडल के डिजाइन, इंटीरियर और फीचर्स में महत्वपूर्ण बदलावों की उम्मीद है। स्पाई शॉट्स में सामने का हिस्सा साफ नजर आया है, जो नई पीढ़ी की टोयोटा हाइलैक्स से प्रेरित लगता है, जिससे इसकी एसयूवी जैसी उपस्थिति मजबूत होगी। इसमें स्लिम एलईडी हेडलाइट्स, एक नया ग्रिल डिजाइन (संभवतः हनीकॉम्ब पैटर्न) और एक अपराइट बम्पर शामिल होने की संभावना है। साइड प्रोफाइल काफी हद तक वही रहेगा, जबकि पीछे के हिस्से में मामूली बदलाव देखे जा सकते हैं, लेकिन बॉक्सी शेप बरकरार रहेगा। इंटीरियर की बात करें, तो केबिन को अधिक प्रीमियम और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने की उम्मीद है। स्पाई शॉट्स से एक बड़ी फ्रीस्टैंडिंग सेंट्रल टचस्क्रीन (लगभग 12 इंच) दिख रही है, जो मौजूदा यूनिट से बड़ी होगी, और एक फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी अपग्रेड हो सकता है। पावरट्रेन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा; 2.0-लीटर पेट्रोल और 2.0-लीटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन जारी रहेंगे।

हालांकि, फ्लेक्स फ्यूल विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है, जो इसे और अधिक कुशल बनाएगा। यह अपडेट प्रीमियम एमपीवी सेगमेंट में इनोवा हाइक्रॉस की स्थिति को और मजबूत करेगा, जिसे 2027 की शुरूआत में लॉन्च किया जा सकता है। वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो, अपडेटेड कनेक्टेड कार फीचर्स, बेहतर 360-डिग्री कैमरा और एडवांस्ड एडीएएस फीचर्स भी इसमें शामिल होंगे। सुरक्षा के मोर्चे पर, टोयोटा सेफ्टी सेंस पैकेज में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर लेन कीप असिस्ट और कोलिजन अवॉइडेंस सिस्टम जैसी एडीएएस कार्यक्षमताएं शामिल होंगी।

विज्ञान सप्ताह के अवसर पर एस.पी.एस.टी.आई ने किया विज्ञान स्टेज शो का सफल आयोजन

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 02 अगस्त। विज्ञान सप्ताह के अंतर्गत सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन इंडिया (एस.पी.एस.टी.आई) द्वारा गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में एक आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक विज्ञान स्टेज शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार की भावना का विकास करना था। कार्यक्रम में एसपीएसटीआई की जनरल सेक्रेटरी प्रो. केया धर्मवीर ने विद्यार्थियों के समक्ष विज्ञान के अनेक रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रयोगों का प्रदर्शन किया। उन्होंने सरल एवं मनोरंजक ढंग से वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रयोगों के माध्यम से समझाया, जिससे विद्यार्थियों ने विज्ञान को केवल एक विषय नहीं, बल्कि अनुभव के रूप में महसूस किया। विद्यार्थियों ने प्रत्येक प्रयोग में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा वैज्ञानिक तथ्यों को बड़े ध्यान से समझा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ग्रीन फायरक्रैकर का वैज्ञानिक प्रदर्शन रहा, जिसने विद्यार्थियों को सबसे अधिक रोमांचित किया। इस प्रयोग के माध्यम से सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल वैज्ञानिक अवधारणाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने इस प्रयोग में विशेष रुचि दिखाई तथा इसके पीछे छिपे वैज्ञानिक सिद्धांतों को जानने के लिए अनेक प्रश्न भी पूछे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वयं अपने हाथों से विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोग करने का अवसर भी प्रदान किया गया।

संक्षिप्त खबरें

जिले में डेंगू का एक नया मरीज मिला

गुरुग्राम, यूटर्न/ 02 अगस्त । जिले में शनिवार को भी डेंगू का एक नया मरीज सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग ने नए मरीज की पुष्टि की। शनिवार को 98 लोगों के सैंपलों की जांच की गई। वहीं, जिले में अब तक डेंगू से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। हाल ही में हुई बारिश की वजह से विभिन्न इलाकों में पानी जमा होने से डेंगू का खतरा बढ़ता जा रहा है। मच्छरजनित बीमारियों के मामले भी सामने आने लगे हैं। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घर-घर जांच अभियान शुरू कर दिया है। इस दौरान टीमों ने अब तक 987 घरों को नोटिस जारी किए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्तमान में जिले में डेंगू के कुल 8 मरीज हैं। साथ ही इस वर्ष अब तक जिले में मलेरिया के कुल चार मरीज सामने आ चुके हैं। जिले में डेंगू नियंत्रण के लिए अब तक 8,12,659 घरों में रैपिड फीवर मास सर्वे किया जा चुका है। वहीं, विभाग द्वारा निगरानी और फॉगिंग जैसे रोकथाम के उपाय भी शुरू किए गए हैं, जिसके तहत शनिवार को विभिन्न टीमों ने 15,360 घरों का दौरा किया।

पुराना लैपटॉप नया बताकर बेचने पर लौटाने होंगे पूरे पैसे

गाजियाबाद, यूटर्न/ 02 अगस्त । पुराने और गंदे लैपटॉप को नया बताकर बेचने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने क्रोमा स्टोर को कड़ी फटकार लगाते हुए पूरे पैसे वापस करने का आदेश दिया है। साथ ही कानूनी खर्च के रूप में 5 हजार रुपये भी देने होंगे। राजनगर एक्सटेंशन की रिवर हाइट्स सोसायटी निवासी प्रियंका त्यागी ने आयोग में शिकायत की थी। उनका आरोप था कि उन्होंने 7 मई 2024 को क्रोमा स्टोर से 43 हजार 625 रुपये 19 पैसे देकर एचपी-15 लैपटॉप खरीदा था। घर जाकर डिब्बा खोलने पर लैपटॉप पर धूल और स्क्रैच मिले। की-बोर्ड भी ठीक से काम नहीं कर रहा था। 8 मई को शिकायत करने पर स्टोर कर्मियों ने अभद्रता की और लैपटॉप वापस लेने से मना कर दिया। सुनवाई के दौरान प्रतिष्ठान की ओर से कहा गया कि ग्राहक ने देख-समझकर लैपटॉप लिया था। आयोग के अध्यक्ष अनिल पुंडीर की अध्यक्षता वाली बेंच ने एक साल से अधिक चली सुनवाई के बाद 31 जुलाई को फैसला सुनाया। आयोग ने आदेश दिया कि 30 दिन के अंदर उपभोक्ता को लैपटॉप की पूरी राशि लौटाई जाए। यदि तय समय में भुगतान नहीं किया गया तो लैपटॉप की कीमत पर 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज भी देना होगा। इसके अलावा उपभोक्ता को कानूनी खर्च के 5 हजार रुपये भी अदा करने होंगे।

600 करोड़ के हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के संयुक्त निदेशक ने दर्ज कराया बयान

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 02 अगस्त

करीब 600 करोड़ रुपये के कथित हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के संयुक्त निदेशक शरद कुमार ने विशेष अदालत में उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने अदालत को मामले से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने और जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के बारे में जानकारी दी। बयान दर्ज होने के बाद अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 19 अगस्त की तारीख तय की।

प्रवर्तन निदेशालय की विशेष अदालत के पीठासीन अधिकारी विनोद कुमार के समक्ष हुई सुनवाई में अभियोजन पक्ष ने मामले से जुड़े आरोपों को रखा। अभियोजन के अनुसार मेसर्स पीआर फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक परवेश कुमार गुजराल, गुरदीप कुमार गुजराल और सुभाष अरोड़ा पर अन्य सह आरोपियों के साथ मिलकर वर्ष 2007 से 2014 के बीच संगठित आपराधिक साजिश रचने का आरोप है। आरोप है कि फर्जी आयात दस्तावेजों का इस्तेमाल कर बैंकों के माध्यम से विदेशी मुद्रा को अवैध रूप से विदेश भेजा गया।

अभियोजन के मुताबिक मामले में राकेश जैन, मेसर्स स्वर्ण ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स कामाख्या फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक भावना वाधवा समेत अन्य आरोपियों की भूमिका भी सामने आई है। जांच एजेंसी का आरोप है कि फर्जी कंपनियां और जाली दस्तावेज तैयार कर कथित अग्रिम आयात के नाम पर करीब 600 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा हांगकांग स्थित फर्जी कंपनियों को भेजी गई।

ईडी के अनुसार यह रकम अनुसूचित अपराधों से अर्जित अपराध की आय थी। आरोप है कि आरोपियों ने नकदी के बदले विदेशी मुद्रा का विनिमय कराने, अवैध धन को बैंकिंग प्रणाली के जरिये वैध दिखाने, विदेशी मुद्रा भेजने की सुविधा उपलब्ध कराने और अपराध की आय को वैध लेनदेन के रूप में प्रस्तुत करने का काम किया।

जांच एजेंसी का आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया के जरिये अपराध से अर्जित रकम को छिपाने, उसका इस्तेमाल करने और उसे वैध संपत्ति के रूप में दर्शाने का प्रयास किया गया। मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विशेष अदालत में सुनवाई चल रही है।

बिजली कटौती और डीजी सप्लाई बंद करने पर आरडब्ल्यूए ने एसडीओ से मांगा जवाब

गुरुग्राम, यूटर्न/ 02 अगस्त । सेक्टर-102 स्थित बीपीटीपी एमस्टोरिया सोसाइटी में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों ने नाराजगी जताई है। वहीं कुछ फ्लैटों की डीजी सप्लाई बंद किए जाने को लेकर आरडब्ल्यूए ने बिजली विभाग के एसडीओ और बिल्डर को शिकायत भेजी है।

आरडब्ल्यूए की ओर से बताया गया कि शनिवार को सुबह करीब 10:20 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रही। वहीं दोपहर 1:20 बजे से 3:30 बजे तक कुछ आवासीय यूनिटों की डीजी सप्लाई भी बंद कर दी गई, जबकि संबंधित निवासी डीजी शुल्क का भुगतान कर चुके हैं। आरडब्ल्यूए के उपाध्यक्ष मोनिका और निवासियों ने आरोप लगाया है कि पुलिस शिकायत के बाद ही डीजी सप्लाई बहाल की गई। आरडब्ल्यूए ने एसडीओ से बिजली कटौती का कारण और इस मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी है।

एलईडी स्क्रीन पर दिख रहे वाहनों के कटे चालान और जुर्माना राशि

गुरुग्राम, यूटर्न/ 02 अगस्त । जिन वाहनों के यातायात चालान जमा नहीं कराए गए हैं, उन वाहनों के चालान सोहना चौक पर लगाई गई बड़ी एलईडी डिस्प्ले पर दिखाई दे रहे हैं। यातायात पुलिस ने ट्रायल के लिए सोहना चौक पर हाईटेक कैमरे व डिस्प्ले लगाई है। फिलहाल मोर चौक से सोहना चौक की ओर जाने वाले वाहनों के नंबर ही एलईडी डिस्प्ले पर दिखाई देते हैं। इस डिस्प्ले पर यातायात नियम तोड़ने वालों के वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर और चालान की संख्या व जुर्माना राशि दर्शायी जाती है।

यह पहल गुरुग्राम यातायात पुलिस द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के तहत की गई है। इसका उद्देश्य नियम तोड़ने वालों को सबक सिखाना हैं और वाहन चालकों में यातायात नियम का पालन करने के लिए जागरूकता बढ़ाना है। फिलहाल एलईडी डिस्प्ले पर किसी वाहन का पहले भी कोई चालान कटा है या नियमों के उल्लंघन का इतिहास रहा है, तो उसकी जानकारी दिखाई दे रहे हैं। यातायात पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर नाम और नंबर डिस्प्ले होने से चालकों में नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी बढ़ेगी। यदि सोहना चौक पर यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है, तो पुलिस प्रशासन शहर के अन्य व्यस्त चौराहों पर भी ऐसी एलईडी स्क्रीन लगाने की योजना बना रहा है।

मोर चौक की ओर से सोहना चौक की रेडलाइट पर वाहन रुकता है तो सामने लगे कैमरे वाहन की नंबर प्लेट को स्कैन करके वाहन का नंबर व चालानों की संख्या जुर्माना राशि सहित दिखाता है। इसमें वाहन के प्रदूषण सर्टिफिकेट की समयावधि खत्म होने के बारे में भी डिस्प्ले पर जानकारी दी जा रही है। वहीं, जिन वाहनों के चालान नहीं कटे हैं, उनके नंबर के साथ नो चालान लिखा जा रहा है। एलईडी डिस्प्ले पर वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर, चालान की संख्या व जुर्माना राशि दिखाई देती है।

दिल्ली के शाहदरा में घर से ज्वेलरी और कैश चोरी में नौकरानी समेत दो आरोपी गिरफ्तार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त

नई दिल्ली के शाहदरा जिले में थाना कृष्णा नगर पुलिस ने सोने के गहनों और कैश की चोरी के मामले में घर की नौकरानी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो हीरे की अंगूठियां और 9,500 रुपए बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, कृष्णा नगर निवासी सचिन गुप्ता की शिकायत पर थाना कृष्णा नगर में ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत में बताया गया था कि 22 जून को दिन के समय अज्ञात चोरों ने उनके घर की अलमारी से दो हीरे की अंगूठियां, सोने के झुमकों की एक जोड़ी और 15,800 रुपए चोरी कर लिए हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच हेड कांस्टेबल नीरज को सौंपी गई। इंस्पेक्टर विजेंद्र राणा के नेतृत्व में गठित टीम में हेड कांस्टेबल नवीन मलिक, हेड कांस्टेबल सचिन और हेड कांस्टेबल अरुण को शामिल किया गया। पूरी जांच एसीपी गांधी नगर और डीसीपी शाहदरा की निगरानी में की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शिकायतकर्ता और अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। इसके साथ ही तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय खुफिया तंत्र की मदद से संदिग्धों की पहचान की गई। जांच में शिकायतकर्ता के घर पर काम करने वाली नौकरानी मोनिका पर संदेह हुआ।

पूछताछ और तकनीकी जांच से खुलासा हुआ कि उसने अपने साथी विनीत के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी। पुलिस ने जानकारी के आधार पर उत्तर प्रदेश के शामली जिले के गांव तहारपुर भाबिसा में छापेमारी कर विनीत को गिरफ्तार किया। बाद में सह आरोपी मोनिका को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

लापता और अपहरण हुए 43 नाबालिग सहित 124 लोगों को दिल्ली पुलिस ने ढूंढा और परिवार से मिलाया

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 अगस्त

दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस ने लापता या अगवा हुए 43 बच्चों और 81 वयस्कों को उनके परिवारों से मिलाया है।

पुलिस टीमों ने ऑपरेशन मिलाप के तहत 1 से 31 जुलाई तक 124 लोगों को ढूंढने और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से मिलाया।

पुलिस ने बताया कि लापता या अगवा लोगों की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इसमें स्थानीय स्तर पर पूछताछ के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज की जांच और ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर लापता या अगवा लोगों की तस्वीरें लगाने जैसे प्रयासों ने अहम भूमिका निभाई।

लापता या अगवा लोगों की आवाजाही का पता लगाने के लिए बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और वेंडरों से भी पूछताछ की गई। तलाशी अभियान के दौरान स्थानीय मुखबिरों की भी मदद ली गई। इसके अलावा आस-पास के पुलिस स्टेशनों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी बारीकी से जांच की गई।

आरके पुरम पुलिस ने 1 से 18 साल की उम्र की 2 लापता नाबालिग लड़कियों को ढूंढा। इसके अलावा, 7 लापता वयस्कों (4 पुरुष और 3 महिला) को भी ढूंढा गया। सभी मिले हुए लोगों को उनके परिवारों से सफलतापूर्वक मिला दिया गया।

साउथ कैंपस पुलिस ने ने 1 लापता नाबालिग लड़की और एक पुरुष को ढूंढकर उनके परिजनों से मिलाया। वसंत कुंज नार्थ पुलिस ने 2 पुरुष और 3 महिलाओं को उनके परिवार से मिलाया। वसंत कुंज नार्थ पुलिस ने एक और ऑपरेशन में 1 से 18 साल की उम्र की 5 लापता लड़कियों को ढूंढा। इसके अलावा, 12 लापता वयस्कों 7 पुरुष और 5 महिलाओं को भी ढूंढा। कापसहेड़ा पुलिस ने 5 लड़के और 9 लड़कियों, 6 पुरुष और 8 महिलाओं को ढूंढा और उनके परिवारों से मिलाया।

इस दौरान, पालम विलेज पुलिस ने 3 नाबालिग और 8 व्यस्क, सागरपुर पुलिस ने 5 नाबालिग, 10 व्यस्क, दिल्ली कैंट पुलिस ने 2 नाबालिग औरर 2 वयस्क, सरोजिनी नगर पुलिस ने 2 पुरुष और 1 महिला को ढूंढा और परिजनों मिलाया। वहीं, एसजे इंक्लेव पुलिस ने 2, किशनगढ़ पुलिस ने 5, मानव तस्करी विरोधी इकाई ने 10 और लापता व्यक्ति इकाई ने 13 लापता को पता लगाकर परिवार से मिलाया।

दिल्ली पुलिस ने बताया गया कि बरामद किए गए कई व्यक्ति वर्षों से लापता थे। जुलाई में चलाए गए अभियानों के दौरान पुलिस ने 2020 में लापता हुए 12 वयस्कों, 2021 से लापता एक महिला 2024 के मामलों से जुड़े पांच व्यक्तियों, 2025 से लापता दो व्यक्तियों और 2026 में लापता हुए 104 व्यक्तियों का पता लगाया, जिनमें 41 नाबालिग और 63 वयस्क शामिल हैं।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

फिल्म इश्कनामा में बिल्कुल नया अंदाज है शहनाज गिल का

बॉलीवुड अभिनेत्री शहनाज गिल ने अपनी आगामी फिल्म इश्कनामा में एक बिल्कुल ही नया और अविस्मरणीय रूप धारण किया है। यदि आप शहनाज को उनके अब तक के सबसे अलग और दमदार अवतार में देखना चाहते हैं, तो इश्कनामा निश्चित रूप से आपकी वॉचलिस्ट में होनी चाहिए। इस फिल्म में वह नसीमा के किरदार में अपनी चिरपरिचित बबली इमेज से बाहर निकलकर एक ऐसा संवेदनशील और गंभीर प्रदर्शन देती हैं, जो लंबे समय तक दर्शकों के जहन में अपनी छाप छोड़ता है। इश्कनामा में शहनाज अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी किरदारों में से एक निभाती हैं। उन्होंने बिना बड़े-बड़े संवादों के, सिर्फ अपनी आँखों की भाषा, सूक्ष्म हाव-भाव और मार्मिक खामोशी से नसीमा की भावनाओं को पर्दे पर जीवंत कर दिया है। उनका हर एक्सप्रेशन, हर मौन क्षण कहानी में एक नई भावनात्मक गहराई जोड़ता है, जो उनके अभिनय को बेहद असरदार और प्रभावशाली बनाता है। यह उनके कलात्मक ग्राफ में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। शहनाज न सिर्फ नसीमा का किरदार निभाती हैं, बल्कि उसके हर दर्द, हर खुशी, हर उम्मीद और हर इंतजार को खुद महसूस करती हैं और दर्शकों को भी करवाती हैं। चाहे वह अटूट प्यार का एहसास हो, बिछड़ने का गहरा दर्द हो, या भविष्य की अस्पष्ट उम्मीदङ्ग वह हर भावना को इतनी ईमानदारी और सादगी से निभाती हैं कि किरदार अपना सा लगने लगता है। नसीमा का सफर आपकी भावनाओं को छू जाएगा। हर फिल्म एक कलाकार को निखारती है, और इश्कनामा शहनाज के अभिनय करियर का एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित होगी। स्क्रीन पर उनका बढ़ा हुआ आत्मविश्वास, जटिल भावनाओं पर उनकी अद्भुत पकड़ और एक परिपक्व अभिनेत्री के रूप में उनका उभार साफ बताता है कि उन्होंने खुद को एक नए मुकाम पर पहुंचा दिया है। यह उनके कलात्मक विकास का प्रमाण है। शहनाज की सबसे बड़ी ताकत हमेशा से दर्शकों के साथ एक सीधा और गहरा भावनात्मक जुड़ाव बनाना रहा है। इश्कनामा में यही खूबी सबसे ज्यादा निखरकर सामने आती है। बिना किसी अति-नाटकीयता के, सिर्फ छोटे-छोटे एक्सप्रेशंस, कभी-कभी सिर्फ खामोशी और सच्चे इमोशंस के माध्यम से वह नसीमा को एक यादगार और अविस्मरणीय किरदार बना देती हैं। उनके प्रदर्शन में एक सहजता और सच्चाई है जो दिल को छू जाती है।

हेमा मालिनी का खुलासा

हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री और ड्रीम गर्ल के नाम से पहचान बनाने वाली हेमा मालिनी ने फिल्मी दुनिया में एक लंबा और सफल सफर तय किया है। अभिनय के बाद उन्होंने राजनीति में भी अपनी अलग पहचान बनाई और साल 2024 के लोकसभा चुनाव में तीसरी बार सांसद चुनी गईं। हाल ही में उन्होंने अपने दिवंगत पति और बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा किया।

हेमा ने बताया कि जब उन्होंने राजनीति में कदम रखने का फैसला किया था, तब धर्मेंद्र इसके पक्ष में नहीं थे। धर्मेंद्र खुद पहले राजनीति में सक्रिय रह चुके थे, इसलिए उन्हें इस क्षेत्र की चुनौतियों का अच्छी तरह अंदाजा था। यही कारण था कि वे चुनाव प्रचार के दौरान भीड़भाड़ वाले माहौल में हेमा की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे कि उन्हें किसी तरह का खतरा उठाना पड़े। हेमा मालिनी ने बताया कि धर्मेंद्र अक्सर उनसे पूछते थे कि क्या हर कार्यक्रम में जाना जरूरी है। इस पर वह उन्हें समझाती थीं कि पार्टी की जिम्मेदारी होने के कारण चुनाव प्रचार में शामिल होना उनकी प्राथमिकता है और जाना उनके लिए आवश्यक था।

14 साल की उम्र से शुरू हो गया था एली अवराम का बॉलीवुड फिल्मों से जुड़ाव

स्वीडन के स्टॉकहोम में जन्मीं अभिनेत्री एली अवराम का बॉलीवुड तक का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। विदेशी सरजमीन पर बैठकर भारतीय फिल्मों का सपना देखना और उसे साकार करना यह एली की अदम्य इच्छाशक्ति का प्रमाण है। एली को बचपन से ही कला, खासकर नृत्य, गायन और अभिनय में गहरी रुचि थी। उनका भारत और बॉलीवुड से जुड़ाव तब शुरू हुआ जब वह महज 14 साल की थीं। उस उम्र में जब ज्यादातर बच्चे अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित होते हैं, एली ने संजय लीला भंसाली की भव्य फिल्म देवदास देखी। लगभग चार घंटे की इस फिल्म ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। फिल्म के शानदार सेट, भारतीय परिधानों की सुंदरता, मनमोहक संगीत और कलाकारों के सशक्त अभिनय ने उनके मन में बॉलीवुड के लिए एक ऐसी खास जगह बना दी, जिसने उनके जीवन की दिशा तय कर दी। भले ही उन्हें तब हिंदी भाषा नहीं आती थी, उन्होंने उसी क्षण ठान लिया कि एक दिन वह हिंदी फिल्मों का हिस्सा बनेंगी।

अपने इस सपने को पंख देने के लिए एली ने कम उम्र से ही मेहनत शुरू कर दी। 17 साल की आयु में, वह स्टॉकहोम के परदेसी डांस ग्रुप से जुड़ीं, जहाँ उन्होंने बॉलीवुड गानों पर प्रदर्शन करना सीखा। स्वीडन में रहते हुए भी उन्होंने कुछ एक्टिंग प्रोजेक्ट्स में काम किया, जिनमें साल 2008 की स्वीडिश फिल्म फॉर्बिडन फ्रूट प्रमुख थी। आखिरकार, साल 2012 में, एली ने अपने बॉलीवुड सपने को पूरा करने के लिए भारत की ओर रुख किया। वह एक टूरिस्ट वीजा पर मुंबई पहुंचीं, लेकिन उनका असली मकसद भारत घूमना नहीं, बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाना था। यह राह बिल्कुल आसान नहीं थी। एक नई भाषा, एक नई संस्कृति और फिल्म इंडस्ट्री की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच उन्होंने खुद को तैयार किया।

ऋचा चड्डा के बयान से मचा बवाल

दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के जोरदार प्रदर्शन के बाद, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इस विरोध प्रदर्शन से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिनमें से एक वीडियो पर अभिनेत्री ऋचा चड्डा ने भी प्रतिक्रिया देते हुए उसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। इस दौरान उन्होंने बुर्जुगोंको लेकर एक विवादित टिप्पणी की, जिस पर विवाद खड़ा हो गया। ऋचा चड्डा ने लिखा, सिर्फ.इसलिए बुर्जुगोंका सम्मान न करें कि वे सीनियर सिटिजन हैंङ्ग कुछ तो ऐसे लगते हैं जैसे उन्हें भक्ति-डिमेंशिया हो गया हो। उन्हें गलतफहमी हो जाती है कि वे युवाओं का मुकाबला कर सकते हैं, जबकि वे खुद रात भर में 5 बार बाथरूम जाए बिना सो भी नहीं पाते। सिर्फ.उम्र की वजह से उनका सम्मान न करें; वे बस आपसे पहले पैदा हुए थे। उन्हें सम्मान कमाने दें। सड़क के कोने पर सुरक्षित दूरी पर अखबार पर थोड़ा खाना रख दें। उनसे उलझें नहीं। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

दिलीप ट्रॉफी मुकाबलों में लाल गेंद से होगी वैभव की असली परीक्षा

» **मुम्बई, यूटर्न/ 02 अगस्त ।**

15 साल के उभरते हुए बल्लेबज वैभव सूर्यवंशी की असली परीक्षा अब दिलीप ट्रॉफी मुकाबलों में लाल गेंद से खेलते समय होगी। सीमित ओवरों के प्रारूप में वैभव ने जमकर रन बनाये हैं पर लाल गेंद से रन बनना आसान नहीं होता। आगामी दलीप ट्रॉफी उनके लिए केवल एक टूनार्मेंट नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मंच साबित होगा। चयनकताओं ने उन पर बड़ा भरोसा जताते हुए उन्हें टीम का उपकप्तान नियुक्त किया है, जो उनके लिए अतिरिक्त दबाव के साथ ही प्रेरणास्पद भी होगा। जहां एक ओर वैभव अपनी आक्राममक बल्लेबाजी से सफेद गेंद क्रिकेट में छाये रहते हैं। वहीं वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनकी राह उतनी आसान नहीं रही है। पिछले आईपीएल सत्र में उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए 16 मैचों में 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे और ऑरेंज कैप जीती थी। इसके अलावा, वह टीम इंडिया के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भी खेल चुके हैं और लिस्ट-ए मैचों में 43.88 की औसत से 564 रन बनाए हैं। लेकिन रणजी ट्रॉफी के आंकड़े एक विपरीत रहे हैं। वैभव ने जनवरी 2024 में मुंबई के खिलाफ महज 12 साल की उम्र में अपना रणजी डेब्यू कर इतिहास रचा था। 8 फर्स्ट क्लास मैचों में उनका औसत केवल 17.25 रहा है, जिसमें वे 207 रन ही बना सके हैं। इस प्रारूप में उनका सबसे अधिक स्कोर 93 रन है और वे अभी तक एक भी शतक नहीं लगा पाए हैं।

फोटो स्टोरी

चीन के निगबो प्रांत में अमेरिकी खिलाड़ी वालीबाल नेशंस लीग में जापान के खिलाफ हुए मुकाबले में भाग लेते हुए।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

फटाफट खबरें

दक्षिणी पेरू में विमान दुर्घटना में 13 लोगों की मौत

लीमा, यूटर्न/ 02 अगस्त । दक्षिणी पेरू में नाजका जियोग्लिफ्स वाले पुरातात्विक स्थल के ऊपर एक छोटे पर्यटक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 13 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी स्थानीय प्रसारक टीवी पेरू ने अपनी रिपोर्ट में दी। आरपीपी रेडियो की एक रिपोर्ट के अनुलाप, मारे गए 13 लोगों में से 11 विदेशी पर्यटक थे, जिनमें सात इटैलियन, दो जर्मन और दो स्पैनिश नागरिक शामिल थे और बाकी दो लोग विमान के क्रू मेंबर थे पेरू के रहने वाले थे। दुर्घटना के कारण का अभी तक पता नहीं चला है। विमान के क्रू ने अलार्म बजाया, उसके बाद संपर्क समाप्त हो गया। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद आग लग गई। जब बचाव टीम मौके पर पहुंची, तो उन्होंने केवल यह पुष्टि की कि विमान में सवार सभी की मौत हो गई थी।

लंदन छोड़कर दूसरे कस्बों में बस रहे लोग, घट गई शहर की आबादी

लंदन, यूटर्न/ 02 अगस्त । ब्रिटेन की राजधानी लंदन इन दिनों बड़े जनसांख्यिकीय बदलाव से गुजर रही है। कोविड-19 महामारी के दौर को छोड़कर देखें तो 1988 के बाद पहली बार शहर की आबादी में गिरावट दर्ज की गई है। ब्रिटेन के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक बढ़ती महंगाई, रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे मकानों के किराए, सख्त वीजा नियमों और महामारी के बाद तेजी से बढ़ी हाइब्रिड कार्य संस्कृति के कारण हजारों लोग लंदन छोड़कर अन्य शहरों और कस्बों में बस रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक लंदन की आबादी में 0.3 फीसदी की कमी आई है, जिससे करीब 27 हजार लोगा शहर छोड़कर चले गए हैं। अब लंदन की कुल आबादी 91 लाख 22 हजार 909 रह गई है। पूरे इंग्लैंड में लंदन एकमात्र ऐसा इलाका है जहां जनसंख्या घटी है, जबकि अन्य सभी क्षेत्रों में आबादी बढ़ी है।

अमेरिका के इडाहो में रेस्टोरेंट में हुई गोलीबारी, अंधाधुंध फायरिंग में तीन की मौत और कई घायल

फ्रांसिस्को, यूटर्न/ 02 अगस्त । उत्तर-पश्चिमी अमेरिकी राज्य इडाहो के ट्विन फॉल्स में एक इन-एन-आउट रेस्टोरेंट के इलाके में शनिवार को गोलीबारी की घटना सामने आई। इस गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम दो अन्य घायल हो गए। दोपहर 2:30 बजे से पहले रेस्तरां के अंदर गोलीबारी शुरू हो गई। स्थानीय समय (2030 जीएमटी), सीबीएस न्यूज ने ट्विन फॉल्स शहर के सार्वजनिक सूचना समन्वयक जोशुआ पामर का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी। घटना से संबंधित अधिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। इस बीच, अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि पुलिस अमेरिकी राज्य इडाहो में ट्विन फॉल्स में एक इन-एन-आउट बर्गर रेस्तरां के पास एक सक्रिय गोलीबारी की घटना का जवाब दे रही थी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्विन फॉल्स पुलिस विभाग ने एक पब्लिक सेफ्टी अलर्ट में कहा कि अधिकारी उस इलाके में काम कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को घटनास्थल से दूर रहने को कहा है, ताकि कानून लागू करने वाले अधिकारी और फर्स्ट रेस्पॉन्डर सुरक्षित रूप से काम कर सकें।

फोटो स्टोरी

म्यांमार में बाढ़ से घिरे लायमेथान इलाके में राहत व बचाव दल के स्दस्य लोगों को निकालते हुए। यहां नगवुन नदी में बाढ़ का पानी शहर में पहुंच गया है।

दोस्तों ने हाथ खींचे, ट्रंप ने ईरान पर हमले का प्लान छोड़ा

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 02 अगस्त । ईरान को लेकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब ने अमेरिका से सैन्य कार्रवाई को और अधिक न बढ़ाने की सलाह दी है। बताया जा रहा है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत में ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई से बचने की आवश्यकता जताई। रिपोर्टों के अनुसार, इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर प्रस्तावित बड़े हमले की योजना फिलहाल टाल दी। हालांकि, इस संबंध में व्हाइट हाउस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि या प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। जानकारी के अनुसार, क्राउन प्रिंस ने राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बातचीत कर ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य अभियान की व्यापकता को लेकर जानकारी ली थी। इसके अलावा उन्होंने अपने भाई और सऊदी रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान को वॉशिंगटन भेजा, जहां उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सहित अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर क्षेत्रीय सुरक्षा और मौजूदा हालात पर चर्चा की।

मस्क की रोचक भविष्यवाणी 2036 तक बेमानी होगा पैसा

» न्यूयार्क, यूटर्न/ 02 अगस्त ।

दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में शुमार एलन मस्क ने चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है कि साल 2036 तक पैसे की कोई अहमियत नहीं रहेगी। इंटरव्यू में मस्क ने दावा किया कि आगामी दशक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स इतनी प्रचुरता पैदा करने वाले हैं कि मुद्रा की अवधारणा ही समाप्त हो जाएगी।

यह भविष्यवाणी अर्थशास्त्रियों से लेकर जनता तक सभी को सोचने पर मजबूर कर रही है। मस्क के तर्क के अनुसार, हम पैसे की चाहत इसलिए रखते हैं क्योंकि हमें विभिन्न वस्तुएं और सेवाएं खरीदनी होती हैं। उनका मानना है कि जब एआई और रोबोट्स मानवीय खपत से भी हजारों गुना अधिक उत्पादन करने वाले हैं, तब बाजार में किसी भी चीज की कमी नहीं रहेगी। जब हर चीज असीमित मात्रा में और बिना मानवीय श्रम के उपलब्ध होगी, तब उस सामान को खरीदने के लिए किसी करेंसी की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। इसके बाद जेब में रखे नोट या बैंक बैलेंस का मूल्य शून्य होगा। इस नए आर्थिक युग में, मस्क का अनुमान है कि पारंपरिक महंगाई बढ़ने की बजाय डिफ्लेशन यानी कीमतों में लगातार गिरावट सबसे बड़ी चुनौती होगी। उनका कहना है कि सरकारें डिजिटल वॉलेट में पैसे भेजें भी तब भी कीमतें नहीं बढ़ेंगी, क्योंकि स्वचालित कारखाने इतनी तेजी से उत्पादन करने वाले हैं कि आपूर्ति कभी कम नहीं पड़ेगी। इसके बाद सरकार का मुख्य काम एआई-निर्मित संसाधनों को लोगों तक सही तरीके से पहुंचाना होगा। यूनिवर्सल बेसिक इनकम (यूबीआई) के लिए मस्क ने सीधे लोगों के बैंक खातों में पैसा हस्तांतरित करने का सुझाव दिया है।

हालांकि, मस्क खुद स्वीकार करते हैं कि इस जादुई दुनिया तक पहुंचना इतना आसान नहीं होगा।

इजरायल के पूर्व प्रधानमंत्री नफताली ने कतर को ईरान से भी ज्यादा खतरनाक बताया

यरूशलम, यूटर्न/ 02 अगस्त । इजरायल के पूर्व प्रधानमंत्री नफताली बेनेट ने कतर को ईरान से भी 'ज्यादा खतरनाक' बताते हुए उसे यहूदी देश के अस्तित्व के लिए एक और संभावित खतरा करार दिया है। 'बेयाहाद' पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बेनेट ने चैनल 12 को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'ईरान के मामले में तो हर कोई जानता है कि वह कहता है, 'हम इजरायल को बर्बाद कर देंगे।'' उन्होंने कहा कि कतर हालांकि, 'कहीं ज्यादा खतरनाक देश' है। उन्होंने बताया कि दोहा ने 'सात अक्टूबर के नुखबा आतंकवादियों को फंड दिया... कतर अल-जजीरा चलाता है, जो हमें नुकसान पहुँचाने वाला सबसे जहरीला कैंसर है... कतर अमेरिकी विश्वविद्यालयों में प्रभावशाली जगहों तक पहुँच रखता है और सबसे अहम बात इजरायल की सुरक्षा के लिए सबसे पवित्र जगह यानी इजरायल के प्रधानमंत्री के कार्यालय तक उसकी पहुँच है।' यह बात प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पूर्व और मौजूदा सहयोगियों (जिनमें वरिष्ठ सहयोगी जोनाथन उरिच भी शामिल हैं) की ओर इशारा करती है। उन पर आरोप है कि उन्होंने सात अक्टूबर, 2023 को हमास के आतंकी हमले के एक साल बाद खाड़ी देश की सकारात्मक छवि बनाने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाने के बदले पैसे लिए थे। श्री बेनेट ने कहा कि कतर इजरायल के खिलाफ सक्रिय रूप से काम कर रहा है और 'हमें अंदर से जहर दे रहा है।' उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि यरूशलम कतर को राष्ट्रीय दुश्मन नहीं मानता, जबकि वह देश को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करने वाले गुटों का लगातार समर्थन करता रहा है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप जारी : चार और बच्चों ने गंवाई जान, मृतकों की संख्या 844

» ढाका, यूटर्न/ 02 अगस्त ।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार सुबह 8 बजे तक बीते 24 घंटों में खसरा जैसे लक्षणों वाले चार और बच्चों की मौत हो गई। इसके साथ ही इस वर्ष देश में खसरे से संबंधित पुष्ट और संदिग्ध मौतों की कुल संख्या बढ़कर 844 हो गई है।

बांग्लादेश की समाचार एजेंसी यूएनबी ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के हवाले से बताया कि, पिछले 24 घंटों में हुई सभी चार मौतें संदिग्ध खसरा मामलों की श्रेणी में दर्ज की गई हैं।

ताजा आंकड़ों के बाद खसरे जैसे लक्षणों की वजह से होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर 748 हो गई है, जबकि लैब टेस्ट में पुष्टि किए गए खसरा से मौतों की संख्या 96 पर स्थिर बनी हुई है।

इसी अवधि में देशभर से 1,022 नए संदिग्ध खसरा मामलों की सूचना मिली है। इसके साथ ही इस वर्ष संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,30,083 हो गई है।

वहीं, पिछले 24 घंटों में लैब टेस्ट में कन्फर्म किए गए 115 नए मामले सामने आए। इसके बाद कंफर्म संक्रमितों की कुल संख्या 16,295 तक पहुंच गई है।

डीजीएचएस के आंकड़ों के अनुसार, 15 मार्च 2026 से अब तक 1,12,620 संदिग्ध खसरा मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से 1,08,283 मरीज उपचार के बाद स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं, जबकि अन्य का इलाज जारी है।

स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि संक्रमण की रोकथाम के लिए निगरानी, परीक्षण और टीकाकरण अभियान को तेज किया जा रहा है। हालांकि लगातार सामने आ रहे नए मामले यह संकेत दे रहे हैं कि देश में खसरे का प्रकोप अभी पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आया है। हाल ही में ढाका ट्रिब्यून ने इस संवेदनशील मसले पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की। उन्होंने बताया कि गुणवत्ता वाला डेटा किसी भी प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की नींव होता है।

अमेरिकी रक्षा सचिव ने मांगा 1.5 ट्रिलियन डालर का रिकॉर्ड रक्षा बजट

निजी निवेश और नई भर्तियों से सैन्य विस्तार

» वाशिंगटन, यूटर्न/ 02 अगस्त ।

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से 1.5 ट्रिलियन डॉलर के ऐतिहासिक रक्षा बजट की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि सरकार इस विशाल बजट को सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर रही है। हेगसेथ के अनुसार, यह बढ़ा हुआ सैन्य खर्च, निजी क्षेत्र का निवेश और रिकॉर्ड स्तर पर हुई नई भर्तियां अमेरिकी सुरक्षा बलों को एक नया आकार दे रही हैं।

हेगसेथ ने बताया कि यह फंडिंग के पारंपरिक तरीके से अलग होगा। ट्रंप प्रशासन ने रक्षा ठेकेदारों को केवल सरकारी फंडिंग पर निर्भर रहने के बजाय निजी पूंजी का उपयोग करके अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसके परिणामस्वरूप, अब तक रक्षा कंपनियों द्वारा 75 बिलियन डॉलर का निजी निवेश हुआ है, जिससे नए प्लांट, उपकरण और असेंबली लाइन बन रही हैं।

यह भविष्य के हथियारों के निर्माण को गति दे रहा है और करदाताओं के पैसे भी बचा रहा है। रक्षा सचिव ने भर्ती में भी ऐतिहासिक बढ़ोतरी का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैरिट को शामिल करने, सोशल इंजीनियरिंग को हटाने और कमांडरों को अनुशासन लागू करने की छूट देने से भर्ती में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। हेगसेथ ने इस प्रवृत्ति को सीधे राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व और 2024 के चुनाव के दिन से जोड़ा, जब अमेरिकी लोगों ने उनके नेतृत्व में काम करने की इच्छा व्यक्त की। हेगसेथ ने ट्रंप के कार्यकाल में हुए सैन्य अभियानों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें हूतियों के खिलाफ कार्रवाई, ईरानी परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाने के ऑपरेशन और ड्रग कार्टेल के खिलाफ प्रयास शामिल हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी सरकार के रक्षा खर्च में योजनाबद्ध बढ़ोतरी पर जोर दिया, यह उल्लेख कर कि यह सारा उपकरण अमेरिका में ही बनाया जाएगा और रक्षा निमार्ता देश भर में उत्पादन बढ़ा रहे हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *